वर्ष-3, अंक-316
इन्दौर सोमवार
11 मई 2026
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761,

चाणक्य नीति

जिसने अपने मन पर विजय प्राप्त कर लिया, वो किसी भी हार से उबरकर फिर से उठ सकता है।

प्रधान संपादक: सुनील वर्मा मो.: 9425491979, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चुपके-चुपके

माननीय सत्ता के नशे में या आदतन अभद्र...?

मध्य प्रदेश के माननीय अपनी अभद्र टिप्पणियों को लेकर अब देश-स्तर पर कुख्यात होने लगे हैं। पार्टी और सरकार दोनों को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा। पर माननीय हैं कि मानते नहीं। क्या अधिकारी, क्या कर्मचारी यहां तो महिलाओं तक को अपनी जुबान दराजी से आहत करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखते। एक मामले में तो सुप्रीम कोर्ट से राज्य सरकार को फटकार लग चुकी है। खबरची का कहना है कि गाली-गलौच और असभ्य भाषा का इस्तेमाल करने वाले माननीय क्या करें, उनकी आदत में यह शुमार है, इसलिए वो माफी भी तो मांग लेते हैं, फिर मामले को तूल देने का क्या तुक? इस पर विरोधी खेमा कह रहा है कि यह आदत नहीं सत्ता का नशा है, जो सिर चढ़कर बोल रहा है। इसका खामियाजा सरकार भुगतेगी फिर सुधरेंगे क्या?

-खबरची

बाजार भाव (मुंबई)

सोना (24 कै. 10 ग्रा.)	-1,51,303 ▲
चांदी (प्रति किलो)	-2,51,010 ▲
प्रति डॉलर / रुपया	- 94.44 ▲

शेयर बाजार

निफ्टी	- 24,176.15 ▼
सेंसेक्स	- 77,328.19 ▼

फटाफट खबरें

सुरक्षा अभियान के तहत ब्रिटेन का युद्धपोत तैनात

वॉशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ब्रिटेन ने पश्चिम एशिया में अपना युद्धपोत तैनात कर दिया है। ब्रिटेन ने एयर डिफेंस डिस्ट्रॉयर एचएमएस ड्रेगन को होर्मुज स्ट्रेट क्षेत्र में संभावित सुरक्षा अभियान के लिए भेजा है। इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात कर ईरान संकट पर चर्चा की। वहीं ईरानी नौसेना ने चेतावनी दी है कि उसके तेल टैंकरों या व्यापरिक जहाजों पर किसी भी कार्रवाई का जवाब अमेरिकी ठिकानों पर हमले से दिया जाएगा।

वेनेजुएला से हाईली एनरिच्ड यूरेनियम वॉशिंगटन पहुंचाया

वॉशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका ने वेनेजुएला से 13.5 किलो हाईली एनरिच्ड यूरेनियम हटाकर अपने कब्जे में ले लिया है। परमाणु सामग्री कराकास के पास स्थित एक पुराने रिसर्च रिएक्टर में कई दशकों से रखी हुई थी। अमेरिकी ऊर्जा विभाग के मुताबिक ऑपरेशन अमेरिका, वेनेजुएला, ब्रिटेन, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सहयोग से पूरा किया गया। यूरेनियम को विशेष कंटेनरों में पैक कर पहले सड़क मार्ग से बंदरगाह तक पहुंचाया गया और फिर जहाज के जरिए अमेरिका लाया गया।

पाक पुलिस चौकी पर हमला 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत

करांची, ईएमएस। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकियों ने पुलिस चौकी पर बड़ा आत्मघाती हमला किया, जिसमें कम से कम 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई। कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार हमला बन्नू जिले में हुआ, जहां विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी पुलिस पोस्ट की ओर बढ़ रही थी। सुरक्षाबलों ने वाहन को रोकने के लिए फायरिंग की, जिसके बाद जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि आसपास के घरों की छतें गिर गईं और पुलिस चौकी पूरी तरह तबाह हो गई।

कोटा मेडिकल कॉलेज मामले में बड़ा एक्शन

कोटा, ईएमएस। राजस्थान के कोटा मेडिकल कॉलेज में सीजेरियन डिलीवरी के बाद दो महिलाओं की मौत के मामले में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। औषधि नियंत्रण विभाग ने राज्यभर में 24 दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की सप्लाई एवं उपयोग पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। प्रतिबंधित वस्तुओं में इंजेक्शन, ग्लूकोज बोतलें, आईवी सेट, सिरिंज और कैथेटर जैसे उपकरण शामिल हैं। विभाग ने इन दवाओं और उपकरणों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं।

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार 6 नए मंत्रियों ने ली शपथ

दो मंत्रियों को मिला प्रमोशन

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रहीं कृष्णा पासवान भी बनीं मंत्री

लखनऊ, ईएमएस। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में रविवार को दूसरी बार मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। राजभवन में आयोजित समारोह में छह नए मंत्रियों ने शपथ ली, जबकि दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत कर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया।समारोह में सबसे पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शपथ ली। इसके बाद समाजवादी पार्टी से बगावत कर भाजपा के करीब आए विधायक मनोज पांडेय ने मंत्री पद की शपथ ली। दोनों नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है।

नए मंत्रियों ने राज्यपाल और सीएम के पैर पड़े

शपथ ग्रहण के बाद कई नए मंत्रियों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नए मंत्रिमंडल में सामाजिक समीकरणों का भी ध्यान रखा गया है। इसमें एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित वर्ग के नेताओं को जगह मिली है।

कुल मंत्रियों की संख्या 60 हुई

अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रदेश सरकार में कुल मंत्रियों की संख्या 60 हो गई है। इससे पहले मार्च 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल का पहला विस्तार किया गया था। इस मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भी कुछ लोग असंतुष्ट दिखे, जिनमें आशा मौर्या का नाम भी शामिल है।

भाजपा केंद्रीय मंत्री के बेटे पर पाक्सो के तहत मामला दर्ज

नाबालिग से यौन उत्पीड़न का आरोप

हैदराबाद, ईएमएस। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ के खिलाफ नाबालिग लड़की से यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज होने के बाद तेलंगाना की राजनीति गरमा गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पास्को एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

17 वर्षीय पीड़िता ने आरोप लगाया है कि भगीरथ ने उसे फार्महाउस में जबरन शराब पिलाई और बाद में उसका यौन उत्पीड़न किया। विरोध करने पर धमकी और मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने इस मामले को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सत्ता के प्रभाव में भाजपा नेताओं के परिवार कानून से ऊपर होने का व्यवहार कर रहे हैं। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि भगीरथ पहले भी कई विवादों में शामिल रहे हैं। मामले के सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

प्रधानमंत्री की जन-सुरक्षा योजनाएं

सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक पहल

भोपाल, ईएमएस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री जन-सुरक्षा योजनाएं देश के गरीब, वंचित और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बनी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक और जनहितकारी पहल साबित हुई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन योजनाओं ने सफलतापूर्वक 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं और आज करोड़ों परिवारों को कम लागत में बीमा एवं पेंशन सुरक्षा उपलब्ध करा रही हैं। मध्यप्रदेश में भी राज्य सरकार बैंकिंग संस्थाओं, डाकघरों और संबंधित विभागों के सहयोग से इन योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक पहुंचाने का काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बेहद कम प्रीमियम पर जीवन बीमा सुरक्षा प्रदान की जा रही है। योजना में किसी भी कारण से मृत्यु होने पर दो लाख रुपये तक का बीमा कवर मिलता है। 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग के बैंक खाताधारक इस योजना में शामिल हो सकते हैं। इसका वार्षिक प्रीमियम मात्र 436 रुपये है, जो ऑटो-डेबिट के जरिए जमा होता है। अप्रैल 2026 तक देशभर में इस योजना के तहत 27.43 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं। वहीं 10.75 लाख से अधिक दावों के लिए 21 हजार 512 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि वितरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना को दुर्घटना की स्थिति में गरीब और सामान्य परिवारों के लिए बड़ा सहारा बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत दुर्घटना में मृत्यु या स्थायी दिव्यांगता पर दो लाख रुपये और आंशिक दिव्यांगता पर एक लाख रुपये की सहायता दी जाती है। 18 से 70 वर्ष आयु वर्ग के लोग इसमें शामिल हो सकते हैं और इसका वार्षिक प्रीमियम मात्र 20 रुपये है। अप्रैल 2026 तक योजना में 58.09 करोड़ से अधिक नामांकन हो चुके हैं तथा 1.84 लाख से अधिक दावों के लिए 3 हजार 667 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान किया गया है।

तमिलनाडु में 'विजय' का शंखनाद...

चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में राहुल गांधी की मौजूदगी में थलपति विजय का भव्य राजतिलक

थलापति विजय के सीएम पद की शपथ लेने के साथ ही तमिलनाडु की राजनीति में तीन दिनों से जारी नाटक का भी पटाक्षेप हो गया। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें रविवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई, जो किसी इतिहास रचने से कम नहीं रहा। दरअसल तमिलनाडु के सियासी फलक में बीते छह दशकों से चला आ रहा डीएमके और एआईएडीएमके का एकतरफा वर्चस्व भी समाप्त हो गया।

छह दशक का द्रविड़ वर्चस्व ध्वस्त

चेन्नई, ईएमएस

तमिलनाडु की राजनीति में रविवार का दिन ऐतिहासिक बन गया, जब फिल्मी दुनिया के सुपरस्टार से जननायक बने सी. जोसेफ विजय ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य में सत्ता की कमान संभाली। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित भव्य समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ हजारों समर्थकों की मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि जनता ने अब पर्दे के 'थलापति' को राजनीति का भी असली नायक मान लिया है।

रविवार सुबह 10 बजे जैसे ही विजय ने पद और गोपनीयता की शपथ ली, पूरा स्टेडियम तालियों और नारों से गूंज उठा। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके साथ ही तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो गई। इसी के साथ तमिलनाडु में छह दशकों वाला द्रविड़ वर्चस्व का किला भी ध्वस्त हो गया।

राहुल गांधी की मौजूदगी से बदले सियासी संकेत

विजय के शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मौजूदगी ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया। डीएमके से दूरी बढ़ने के बाद कांग्रेस का विजय के साथ मंच साझा करना तमिलनाडु की राजनीति में नए समीकरणों की ओर संकेत माना जा रहा है। मंच पर विजय और राहुल गांधी की एक साथ मौजूदगी ने विपक्षी राजनीति को नई दिशा देने के संकेत दिए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह गठबंधन भविष्य में दक्षिण भारतीय राजनीति में बड़ा प्रभाव डाल सकता है।

सीएम बनते ही विजय ने किया वादा पूरा

200 यूनिट बिजली मुफ्त का आदेश

तमिलनाडु सीएम पद की शपथ लेते ही थलापति विजय ने अपनी पहले वादे को पूरा करते हुए 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल के गठन संबंधी फाइल पर भी हस्ताक्षर कर दिए हैं। सीएम पद की शपथ लेने के बाद विजय ने कहा कि वह किसी भी शाही वंश से नहीं हैं, इसके बाद भी जनता ने उन्हें स्वीकार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम प्रमुख सी जोसेफ विजय को तमिलनाडु के सीएम बनने पर बधाई दी और कहा कि केंद्र सरकार लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी।

पीएम मोदी ने विजय को दी बधाई

विजय के शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम मोदी ने उन्हें तमिलनाडु का सीएम बनने पर बधाई दी और साथ ही केंद्र सरकार की तरफ से पूरी मदद करने का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- सी जोसेफ विजय को तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ लेने पर बहुत बधाई।

संघर्ष के बाद मिली सत्ता: मुख्यमंत्री बनने तक विजय का सफर आसान नहीं रहा। चुनाव परिणाम आने के बाद राज्य में राजनीतिक हलचल तेज हो गई थी। बहुमत को लेकर राज्यपाल ने सख्त रुख अपनाया था और शुरुआती समर्थन पत्रों को संख्या कम होने के चलते अनेक दफा लौटा दिया गया था। हालांकि शनिवार को विजय ने 121 विधायकों का समर्थन पत्र सौंपकर बहुमत साबित किया।

नौ मंत्रियों ने भी ली शपथ: विजय के साथ नौ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। नई कैबिनेट में टीवीके के छह और कांग्रेस कोटे से तीन मंत्री शामिल किए गए हैं। के.ए. सेंगोट्टैयान, आधव अर्जुन, बुस्सी आनंद, डॉ. के.जी. अरुणराज और एस. कीर्तना जैसे चेहरों को सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं।

शपथ ग्रहण के दौरान विजय देने लगे भाषण तो राज्यपाल ने रोका

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार और टीवीके प्रमुख चंद्रशेखर जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि यह शपथ ग्रहण समारोह उस समय चर्चा का विषय बन गया जब विजय निर्धारित प्रक्रिया से हटकर मंच से भाषण देने लगे और राज्यपाल को बीच में हस्तक्षेप करना पड़ा। शपथ प्रक्रिया शुरू होने पर राज्यपाल ने तमिल भाषा में शपथ की पहली पंक्ति पढ़ी। इसी दौरान विजय ने अपना नाम बोलने के बाद निर्धारित शपथ पत्र पढ़ने के बजाय जनता को संबोधित करना शुरू कर दिया।

वो दिन दूर नहीं, जब हम केरलम जीतेंगे

पीएम मोदी ने बेंगलुरु में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा... साहस और शक्ति हमारी ताकत

बेंगलुरु, ईएमएस। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को बेंगलुरु में एक विशाल जनसभा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आज बेंगलुरु की धरती से भगवा सूरज उग आया है। उन्होंने कहा कि अभी केरलम में भी हम 1 से 3 एमएलए पर पहुंच गए हैं। अब वो दिन दूर नहीं, जब केरलम में भी बीजेपी-एनडीए की संख्या तीन से बढ़कर बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि एक बीजेपी कार्यकर्ता के तौर पर, मैं समझता हूं कि जब हजारों बीजेपी कार्यकर्ता इतनी सुबह एक साथ आ सकते हैं, तो इसका क्या मतलब होता है। मैं आप सभी का आभारी हूं। बंगाल की जीत आपकी भी जीत है। पीएम मोदी ने कहा कि आज 10 मई की ऐतिहासिक तारीख है। 1857 में आज के ही दिन स्वतंत्रता संग्राम की पहली चिंगारी फूटी थी। समय के साथ ये चिंगारी एक बड़ी ज्वाला में बदल गई, जिसने गुलामी की बेड़ियों को जलाकर राख कर दिया। उन्होंने कहा कि साहस और शक्ति की विरासत ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी भावना से प्रेरित होकर, तीन दिन पहले हमने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाई। कल सुबह 11 तारीख को मैं गुजरात के सोमनाथ में रहूंगा , जहां मंदिर के पुनर्निर्माण का उत्सव मनाया जाएगा।

एम्स दिल्ली से डॉक्टरों का पलायन बढ़ा

- प्रशासनिक व्यवस्था पर उठे सवाल
- डॉक्टरों ने लगाए अनियमितता और दबावपूर्ण माहौल के आरोप
- स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देशों की अनदेखी का दावा

नई दिल्ली, ईएमएस। देश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एम्स दिल्ली में डॉक्टरों के संस्थान छोड़ने के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

हाल ही में सामने आई रिपोर्टों ने एम्स प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। कई डॉक्टरों ने आरोप लगाया है कि अस्पताल का कार्य वातावरण पहले जैसा नहीं रहा और प्रशासनिक स्तर पर लगातार अनदेखी तथा दबाव की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में मरीजों की भर्ती, ट्रांसफर और डिस्चार्ज प्रक्रिया में अनियमितताओं के मामले सामने आए हैं।

असम में दूसरी बार सीएम पद की शपथ लेंगे हिमंता

12 मई को शपथ ग्रहण समारोह

गुवाहाटी, ईएमएस। असम बीजेपी विधायक दल की बैठक में हिमंता बिस्वा सरमा के नाम पर मुहर लग गई है। सरमा लगातार दूसरी बार राज्य की कमान संभालेंगे। वह 12 मई को सीएम पद की शपथ लेंगे। इस भव्य शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी, बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व और एनडीए के कई वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। हिमंता बिस्वा सरमा की यह ताजपोशी के साथ ही असम में बीजेपी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। उत्तर-पूर्व में पार्टी की पैठ को और मजबूत करने के रूप में देखी जा रही है। पिछले कार्यकाल में स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अहम विभागों को संभालने वाले सरमा के पास अब पूरे राज्य को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की जिम्मेदारी होगी।

पांच राज्यों में चुनाव संपन्न कराने के बाद तीर्थयात्रा पर निकले ज्ञानेश

परिवार संग तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की, भगवान का माना आभार

कोलकाता, ईएमएस। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के चलते चुनाव आयोग काफी व्यनस्तत था। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मसरूफ रहना भी स्वाभाविक है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि विधानसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद ज्ञानेश कुमार कहां हैं? इसका जवाब है ज्ञानेश कुमार परिवार के साथ तीर्थयात्रा पर गए हैं।

उन्होंने आंध्र प्रदेश में स्थिति विश्वर प्रसिद्ध तिरुमला वेंकटेश्वुर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सुबह आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर सफल चुनाव प्रक्रिया के लिए भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनकी पत्नी भी उनके साथ थीं। दोनों ने मंदिर में विधिवत पूजा कर देश में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न होने पर सर्वशक्तिमान ईश्व र का आभार व्यक्त करते हुए उनका धन्यिवाद किया। मंदिर प्रशासन की ओर से दंपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताया और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया।

आईएसआई से जुड़े मप्र के तीन युवक गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस का दावा- मंदिर, ढाबा और सैन्य कैंप की रेकी कर पाकिस्तान भेजी तस्वीरें

नई दिल्ली/भोपाल, ईएमएस। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने के आरोप में मध्यप्रदेश के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे के एक ढाबे और हरियाणा स्थित सैन्य कैंप को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टीकमगढ़ निवासी अनमोल राय, ग्वालियर के डबरा निवासी राजवीर और विवेक बंजारा के रूप में हुई है। तीनों को उनके गांवों से गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाया गया। स्पेशल सेल के अनुसार आरोपियों के मोबाइल फोन से कई संदिग्ध ई-मेल, ऑडियो और वीडियो कॉल रिकॉर्ड मिले हैं। जांच में सामने आया कि उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण स्थानों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को भेजे थे।

अमेरिका के मियामी बीच में बोट में जोरदार विस्फोट, 11 लोग गंभीर रुप से घायल

यह भीषण हादसा बोट के अंदर अचानक गैस लीक होने के कारण हुआ

वाशिंगटन, ईएमएस। अमेरिका के फ्लोरिडा में मियामी बीच के पास पर्यटन स्थल हॉलओवर सैंडबार पर अचानक एक बोट में जोरदार धमाका हो गया। इस भयानक विस्फोट में कम से कम 11 लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि हुई है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस विस्फोट की वजह से वहां मौजूद लोगों के बीच भारी अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस तुरंत इस हादसे की जानकारी मिलने के बाद बचाव कार्य में जुट गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि यह भीषण धमाका बोट के अंदर अचानक गैस लीक होने के कारण हुआ था। हालांकि अधिकारी अभी भी इस दुर्घटना के सटीक कारणों की बहुत गहराई से जांच कर रहे हैं। फायर रेस्क्यू सर्विसेज के अधिकारियों ने इस घटना के बारे में कई अहम जानकारियां दी हैं। खबर के मिलते ही फ्लोरिडा फिश एंड वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। इसके साथ ही यूएस कोस्ट गार्ड के जवान भी मदद के लिए दुर्घटना स्थल पर पहुंच गए। इन सभी टीमों ने मिलकर वहां फंसे सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का सराहनीय काम किया। अधिकारियों ने घटना के कारणों का पूरा खुलासा नहीं किया है। हालांकि वहां मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ने गैस लीक को इस भीषण विस्फोट की मुख्य वजह बताया है।

पाक अब एक "जिम्मेदार" राष्ट्र के रूप में पहचाना जाता है, जो रक्षा करना जानता है

'मारका-ए-हक' के एक साल पूरे होने पर पीएमओ ने जारी किया शहबाज शरीफ का संदेश

इस्लामाबाद, ईएमएस। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने कहा है कि पाकिस्तान अब एक ''जिम्मेदार'' राष्ट्र के रूप में पहचाना जाता है, जो न केवल अपनी रक्षा करना जानता है, बल्कि -वैश्विक शांति और स्थिरता की गारंटी देने वाला'' बनकर उभरा है।

'मारका-ए-हक' के एक साल पूरे होने पर शनिवार देर रात पीएमओ द्वारा जारी संदेश में शहबाज शरीफ ने दुश्मन के दौरान सशस्त्र बलों द्वारा निभायी गई भूमिका की सराहना की। पाकिस्तान ने पिछले साल भारत के साथ हुए चार दिन के संघर्ष को 'मारका-ए-हक' नाम दिया था। बता दें पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने पिछले साल 6-7 मई की दरमियानी रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। इस कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया था। पाकिस्तान ने जवाबी हमले किए थे। हालांकि भारतीय सेना ने उनमें से अधिकांश को विफल कर दिया था। दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच हॉटलाइन पर हुई बातचीत के बाद 10 मई को सैन्य कार्रवाइयों को रोकने पर सहमति बनने के साथ संघर्ष समाप्त हुआ था।

स्वयंभू बाबा खरात पर कसा शिकंजा तो देने लगे देवी-देवताओं की दुहाई...

जो किया दैवीय शक्तियों के प्रभाव में किया...

गवाह की मौत से बढ़ा रहस्य 58 अश्लील वीडियो

1500 करोड़ की संपत्ति और फर्जी खातों के जाल में उलझा मामला

नासिक, ईएमएस

स्वयंभू बाबा अशोक खरात से जुड़ा मामला महज यौन शोषण या आर्थिक धोखाधड़ी तक सीमित ही सीमित नहीं रह गया, बल्कि अब यह महाराष्ट्र के चर्चित और जटिल मामलों में शुमार हो चुका है।

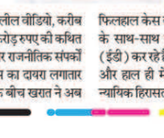

बाबा के ऑफिस की 58 अश्लील वीडियो, करीब 150 पीड़ित महिलाओं, 1500 करोड़ रुपए की कथित संपत्ति, 100 फर्जी बैंक खातों और राजनीतिक संपर्कों के आरोपों के बीच अब इस केस का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कसते शिकंजे के बीच खरात ने अब देवी-देवताओं की दुहाई देनी शुरु कर दी है, उसका कहना है उसने जो किया दैवीय शक्तियों के प्रभाव से किया। बहरहाल इस मामले में सबसे बड़ा सवाल अहम गवाह जितेंद्र शेलके की संदिग्ध मौत को लेकर भी खड़ा हो गया है। फिलहाल केस की जांच नासिक और शिरडी पुलिस के साथ-साथ एसआईटी और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहे हैं। अशोक खरात इस समय जेल में है और हाल ही में शिरडी कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

स्वीकार की गलतियां

जांच टीम से जुड़े सूत्रों के मुताबिक पूछताछ के दौरान अशोक खरात ने स्वीकार किया कि उससे गलतियां हुई हैं, लेकिन उसने दावा किया कि यह सब दैवीय शक्ति यों के प्रभाव में हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, खरात लगातार यह कहता रहा कि महिलाओं के साथ उसके संबंध सहमति से बने थे। हालांकि एसआईटी इस दावे से सहमत नहीं है। पुलिस को शक है कि महिलाओं को नशीले पदार्थ या दवाएं देकर उनका शोषण किया जाता था। खरात का कहना है कि वह कई बार समाधि जैसी अवस्था में चला जाता था और बाद में उसे होश आता था। जांच एजेंसियां इन दावों को बचाव की रणनीति मान रही हैं।

56 अनुयायियों के नाम पर 100 खाते

प्रवर्तन निदेशालय की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक, कोपरगांव की एक पतपेढ़ी बैंक में 56 अनुयायियों के नाम पर करीब 100 खाते खोले गए थे। इन खातों में लगभग 70 करोड़ रुपए का लेन्देन हुआ। सबसे अहम बात यह है कि सभी खातों में नॉमिनी के तौर पर अशोक खरात का नाम व मोबाइल नंबर दर्ज था। जब खाताधारकों से पूछताछ की गई तो कई लोगों ने दावा किया कि उन्हें अपने नाम पर खाते खुलने की जानकारी तक नहीं थी।

संपादकीय

युवाओं का बढ़ता गुस्सा सरकारों के लिए गंभीर चेतावनी

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट केवल अपराधों के आंकड़े प्रस्तुत नहीं करती है, बल्कि समाज की बदलती मानसिकता और सामाजिक तनावों का भी आईना होती है। हाल की रिपोर्ट में झारखंड सहित कई राज्यों में 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं में बढ़ते गुस्से, असहिष्णुता और आक्रामकता को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। यह चिंता अपराधों की संख्या तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक बदलाव में उस मानसिक स्थिति का संकेत है, जिसमें भारत की सबसे बड़ी आबादी का युवा वर्ग धीरे-धीरे धैर्य और संतुलन खो रहा है। उसकी संलिप्तता कई अपराधों में महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक कारणों से होने लगी है। युवा वर्ग जरा-जरा सी बात पर गुस्से में नजर आ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार रेलवे में अपराध बढ़ रहे हैं। साइबर अपराध, हत्या और आत्महत्या जैसी घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है। जमीन और संपत्ति विवादों के कारण होने वाली हत्याओं में बढ़ोत्तरी असहिष्णुता का उदाहरण है। छोटी-छोटी बातों पर हिंसा, पारिवारिक कलह अब सामाजिक राजनीतिक एवं धार्मिक टकराव की सामान्य अपराधिक घटनाएं बनती जा रही हैं। इस स्थिति का मतलब है, समाज में संवाद और सहनशीलता का स्तर तेजी से कमजोर होता जा रहा है। युवाओं के भीतर बढ़ते गुस्से के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और आर्थिक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण बेरोजगारी और महंगाई है। पढ़ाई पूरी करने के बाद भी युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। सरकारों की असंवेदनशीलता से युवाओं के भीतर गुस्सा निराशा और हताशा बढ़ रही है। बढ़ती महंगाई ने मध्यम और निम्न वर्गीय परिवारों की आर्थिक स्थिति को तेजी से खराब कर दिया है। रोजाना खाने-पीने और जरूरी खर्च भी नहीं उठा पा रहे हैं। युवा अपनी रोजाना की जरूरतों और भविष्य की असुरक्षा तथा शादी-ब्याह नहीं हो पाने के कारण भारी गुस्से में दिख रहा है। इसका एक नजारा पिछले दिनों बिहार में देखने को मिला। युवाओं के प्रदर्शन पर पुलिस ने जमकर लाठियां भांजी, यह स्थिति अब लगभग हर राज्य में दिखने लगी है। युवाओं ने जो सपने संजोए थे, वे सपने ही बनकर रह गए हैं। वास्तविकता से वह कोसों दूर हैं। जिसके कारण युवाओं का गुस्सा, मानसिक तनाव बढ़ता जा रहा है, जो कानून व्यवस्था के लिए भी चुनौती बन रहा है।

रिपोर्ट में बढ़ते हुए अपराधों को महंगाई और बेरोजगारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। सोशल मीडिया, डिजिटल संस्कृति, बाजारवाद ने इस समस्या को तेजी के साथ बढ़ाने का काम किया है। युवा अब तेजी से प्रतिक्रिया देने समूह के रूप में सड़कों पर उतरने लगा है। समूह में अपराध करने लगा है। कर्ज, महंगाई, बेरोजगारी के कारण युवाओं का धैर्य खत्म हो गया है। आपसी संवाद और संयम जैसी सामाजिक और मानवीय स्थिति कमजोर पड़ती जा रही है। साइबर अपराधों में युवाओं की बढ़ती संलिप्तता दर्शाती है, तकनीक का उपयोग सकारात्मक कम और त्वरित लाभ के लिए हो रहा है। ऑनलाइन ठगी, फर्जीवाड़ा और डिजिटल उत्पीड़न जैसे अपराधों में युवाओं की भागीदारी गंभीर चेतावनी है। समाज में आत्महत्या के साथ अब पारिवारिक सामूहिक आत्महत्या के बढ़ते मामले भी चिंता का विषय हैं। मानसिक दबाव अब केवल व्यक्ति का नहीं है बल्कि परिवार का बनता जा रहा है। नौकरी के लिए बार-बार परीक्षा, प्रतियोगिता पारिवारिक अपेक्षाएं 25 से 30 वर्ष की उम्र हो जाने के बाद भी शादी विवाह नहीं होना युवाओं को भीतर से तोड़ रही हैं। दुर्भाग्य है इस स्थिति पर सामाजिक, परिवार धार्मिक एवं शासन स्तर पर कहीं चर्चा नहीं हो रही है।

मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर चर्चा नहीं है। परिवार समाज और शासन स्तर पर सारी संवेदनाएं खत्म हो चुकी हैं। युवा अपनी समस्याओं को लेकर अकेले संघर्ष कर रहे हैं। जरूरी आवश्यकता के कारण कई बार गलत कदम उठा लेते हैं। सरकार और समाज दोनों को युवाओं की इस स्थिति को कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। यह सामाजिक, आर्थिक और मानसिक तनाव से जुड़ा एक बड़ा सामाजिक संकट है। रोजगार के अवसर बढ़ाने, कौशल विकास को मजबूत करने और युवाओं को वर्तमान स्थिति का मुकाबला किस तरह से किया जाए, उसके लिए उनके साथ सहानुभूति से पेश आने की जरूरत है। शिक्षा व्यवस्था, नैतिक मूल्यों, धैर्य, संवाद और मानसिक स्थिति पर सभी को विशेष ध्यान देना होगा। परिवारों में बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा। ताकि वह अपनी समस्याएं खुलकर परिवार और दोस्तों के साथ साझा कर सकें। समाज में शांति, सामाजिक और विकास कार्यों में युवाओं की ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यही ऊर्जा गुस्से और आक्रामकता में बदल गई। तो इसके परिणाम बेहद गंभीर होंगे। एनसीआरबी की रिपोर्ट बड़ी चेतावनी है। समय रहते युवाओं की समस्याओं को समझा जाए। महंगाई बेरोजगारी और कर्ज जैसी समस्याओं का निराकरण करने का काम सरकारों का है। युवाओं को सही दिशा में अवसर तथा मार्गदर्शन देना होगा। पुलिस कानून से अपराध रोकना पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और समाज को मानसिक और सामाजिक वातावरण मैं बदलाव लाना होगा। अन्यथा कभी भी स्थिति बेकाबू हो सकती है।

सनत जैन

राज काज

तमिलनाडु में विजय ने इतिहास रचा

आंध्र प्रदेश में वर्ष 84 के विधानसभा चुनाव में जो कमाल फिल्म अभिनेता रामाराव नायडू ने करके दिखाया था। 2026 में वही कमाल तमिलनाडु के फिल्म अभिनेता जोसफ विजय चंद्रशेखर ने करके दिखा दिया है। उन्होंने पहली बार में ही तमिलनाडु की 118 सीट जीतकर राजनीति में एक बड़ा धमाका कर दिया है। इसका अंदाजा किसी ने भी नहीं लगाया था। डीएमके और अन्ना डीएमके को इतना बड़ा झटका लगेगा। यह दोनों ने नहीं सोचा था। अब जोसेफ विजय चंद्रशेखर मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। एक ईसाई तमिलनाडु का मुख्यमंत्री बनेगा। यह चमत्कार ही है।

नेहरू न होते तो भाजपा का क्या होता?

2014 में जब से केंद्र में भाजपा की सरकार बनी है। उसके बाद से नेहरू निंदा की इंतहा हो गई है। नेहरू को हर बात के लिए जिम्मेदार ठहराना बहुत आसान हो गया है। नेहरू तो जवाब देने स्वर्ग से पृथ्वी में नहीं आएंगे। जितनी भी असफलताएं पिछले 12 साल में देखने को मिली हैं। उन सभी के लिए भाजपा नेहरू को जिम्मेदार ठहराती है। लोग कहने लगे हैं, मुसलमान, कांग्रेस और नेहरू नहीं होते, तो भाजपा किसके ऊपर ठीकरा फोड़ती। 12 साल से मोदी सरकार केंद्र में है। उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है। जो भी असफलताएं हैं, उसके लिए नेहरू जिम्मेदार हैं।

भारत सरकार को डॉलर की चिंता?

भारत सरकार अमेरिका और ईरान के चक्कर भारत डॉलर की चिंता से जूझ रहा है। कच्चे तेल रसोई गैस के दाम बढ़ते चले जा रहे हैं। आयात का खर्च बढ़ता जा रहा है। हर लेनदेन में डॉलर चाहिए। डॉलर रुपए के मुकाबले तेजी से भाग रहा है। विदेशी निवेश और प्रवासी भारतीयों से पहले की तरह डॉलर नहीं आ रहे हैं। भारत सरकार की चिंता डॉलर को लेकर बढ़ती जा रही है। चाहकर भी भारत डॉलर के पल्लू से बाहर नहीं निकल पा रहा है। जिसके कारण देश की अर्थव्यवस्था दिन प्रतिदिन खराब होती चली जा रही है। सरकार करे भी तो क्या करे। सरकार को समझ नहीं आ रहा है।

कांग्रेस समर्थन से भड़के राज्यपाल?

तमिलनाडु में सबसे बड़ी पार्टी के नेता बनकर अभिनेता विजय सामने आए। उनके समर्थन में कांग्रेस आ गई। राज्यपाल को जो पत्र दिया, उसमें कांग्रेस के समर्थन का भी पत्र था। इसको देखकर राज्यपाल भड़क गए। उन्होंने स्पष्ट बहुमत लाने कह दिया। जब हर तरफ राज्यपाल की आलोचना होने लगी। तमिलनाडु में प्रदर्शन शुरू हो गए। तब जाकर शनिवार को शपथ का न्योता राज्यपाल ने विजय को दे दिया।

संवैधानिक संस्थानों पर गहराता संदेह और बदलता सियासी मिजाज

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय लोकतंत्र आज एक दोराहे पर है, जहां चुनाव के नतीजों से ज्यादा चर्चा चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक मर्यादाओं की हो रही है। देश की राजनीति में हाल के दिनों में जो कुछ घटा है—चाहे वह पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और राज्यपाल के बीच का अभूतपूर्व टकराव हो, या फिर विपक्षी नेताओं का जेल जाना - इन सबने आम जनता के मन में कई गंभीर सवाल पैदा कर दिए हैं। क्या हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं या फिर सत्ता की बिसात पर मोहरे अब संस्थानों की गरिमा से बड़े हो गए हैं। सबसे पहले बात करते हैं पश्चिम बंगाल की।

वहां संवैधानिक संकट जिस मोड़ पर पहुंचा है, वह भारतीय संसदीय इतिहास के लिए एक चिंताजनक अध्याय है। ममता बैनर्जी ने चुनाव हारने के बाद साफ कह दिया कि हम हारे नहीं है, बल्कि चुनाव आयोग ने हमें हराया है, मैं इस्तीफा नहीं दूंगी, राज्यपाल चाहें तो मुझे सस्पेंड कर दें, मैं चुनावी प्रक्रिया में धांधली के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट जाऊँगी या फिर अंतरराष्ट्रीय कोर्ट जाऊँगी यह पहली बार हुआ है जब किसी मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया तो राज्यपाल ने सरकार बरखास्त कर दी, राज्यपाल ने बरखास्त कर दिया ये तो होना ही था, लेकिन इस तरह न नाटकीय घटनाओं से लोकतंत्र कमज़ोर होता है, उसमे सत्ता - विपक्ष दोनों को गहराई से सोचना चाहिए कि आम नागरिको में क्या संदेश जाएगा। क्या लोकतांत्रिक

प्रक्रियाएं सक्रिय राजनीति का अखाड़ा बन गई हैं? यह सवाल आज हर जागरूक नागरिक पूछ रहा है।

वहीं दूसरी ओर, देश में ईवीएम और वोट चोरी को लेकर उठ रहे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे। हालांकि चुनाव आयोग बार-बार इसकी शुचिता का दावा करता है, लेकिन जब विपक्षी दल और नागरिक समाज के एक बड़े हिस्से में अविश्वास पैदा हो जाए, तो वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। भाजपा की एकतरफा जीत को लेकर भी समाज में दो फाड़ है, समर्थकों के लिए यह विकास की जीत है, तो विरोधियों के लिए यह संसाधनों और संस्थानों के दुरुपयोग का परिणाम। यह कहना भी हास्यापद होगा कि देश में राम राज्य आ गया है, क्योंकि महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक तनाव जैसे जमीनी मुद्दे आज भी जस के तस बने हुए हैं। राजनीति की नैतिकता पर सबसे बड़ा प्रहार दलबदल ने किया है। क्षेत्रीय दलों के कद्दावर नेताओं का रातों-रात पाला बदलकर भाजपा के साथ जुड़ना, अब विचारधारा की राजनीति नहीं बल्कि अवसरवाद की राजनीति का प्रतीक बन गया है। जब जनता किसी व्यक्ति को एक खास विचारधारा के लिए चुनती है और वह नेता व्यक्तिगत लाभ या दबाव में दूसरी तरफ चला जाता है, तो यह सीधे तौर पर जनमत का अपमान है। आयाराम-गयाराम की यह संस्कृति लोकतांत्रिक शुचिता पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न लगाती है। इन सबके बीच, न्यायपालिका की साख पर भी उंगली उठने लगी है। हाल ही में अरविंद केजरीवाल द्वारा अदालत में यह कहना कि - मुझे आप पर विश्वास नहीं है कि आप न्याय करेंगी, केजरीवाल का दावा था कि जज आरएसएस से जुड़ी संस्था अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रमों में कई बार शामिल हुई हैं, जो एक विशेष विचारधारा को दर्शाता है। यह एक बेहद डराने वाली स्थिति की ओर इशारा करता है। जब देश के बड़े नेता और आम आदमी अदालतों की निष्पक्षता पर संदेह करने लगें, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र का अंतिम स्तंभ भी डगमगा रहा है। न्याय का केवल होना ही काफी नहीं है, बल्कि उसका दिखना भी जरूरी है। आज की राजनीति में स्वतंत्र संस्थानों की विश्वसनीयता सबसे बड़े संकट से गुजर रही है। चुनाव आयोग, जांच एजेंसियां और यहां तक कि राजभवन - सभी की निष्पक्षता आज सवालों के घेरे में है। लोकतंत्र केवल वोट डालने और सरकार बनाने का नाम नहीं है; यह विश्वास और मर्यादाओं का खेल है।

महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को 'शक्ति', 'मातृशक्ति' और 'आधी दुनिया' कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर 'सुरक्षित' या 'कमजोर' उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है। हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है।

सुविचार

आपका कोई भी काम महत्वहीन हो सकता है पर महत्वपूर्ण यह है कि आप कुछ करें।

\- महात्मा गांधी

स्वयं कर्म, जब तक मुझे यह भरोसा होता है कि यह सही कर्म है, मुझे संतुष्टि देता है।

\- जवाहर लाल नेहरु

प्रसंगत

सबसे बड़ी मदद

एक बार बेंजामिन फ्रैंकलिन ने एक धनी व्यक्ति की मेज पर कुछ सिक्के रखते हुए कहा, 'आपने बुरे वक्त में जो सहायता की थी, मैं उसके लिए बहुत आभारी हूं। पर अब मैं अपनी मेहनत से इतना सक्षम हो गया हूं कि आपका कर्ज वापस कर सकूं। मैं यह सिक्के आपको वापस करने आया हूं।' बेंजामिन फ्रैंकलिन की बात सुनकर वह सज्जन उन्हें घूरते हुए बोले, 'क्षमा करिए, पर मैंने आपको पहचाना नहीं। न ही मुझे यह याद है कि मैंने किसी को उधार दिया था।' बेंजामिन ने कहा, 'मैं उन दिनों एक प्रेस में अखबार छापने का काम करता था। एक दिन अचानक मेरी तबीयत खराब हो गई तब मैंने आपसे बीस डॉलर लिए थे।' यह सुनकर उस व्यक्ति ने अपने बीते दिनों को याद किया तो उन्हें स्मरण हो आया कि एक बालक प्रेस में काम करता था और एक दिन उसके बीमार होने पर उन्होंने उसकी मदद की थी। यह याद आने पर उस व्यक्ति ने कहा, 'हां, मुझे याद आ गया। लेकिन दोस्त, यह तो मनुष्य का सहज धर्म है कि वह आपत्तिग्रस्त व्यक्ति की सहायता करे। इन सिक्कों को आप अपने पास ही रखें और कभी कोई जरूरतमंद व्यक्ति आपकी नजरों में आए, तो उसे दे दीजिएगा।' इस बात से बेंजामिन बहुत प्रभावित हुए और उन्हें नमस्कार कर उन सिक्कों को वापस अपने साथ ले आए।

जरा हटके

20 करोड़ साल पुराना मिला समुद्री मगरमच्छ का जीवाश्म

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के सोलिहुल की रहने वाली हीथर, ब्रिटेन के मशहूर 'जुरासिक कोस्ट' पर जीवाश्मों की तलाश में निकली थीं, जो लाइम रेजिस म्यूजियम द्वारा आयोजित एक गाइडेड फॉसिल वॉक का हिस्सा थीं। हीथर को समुद्र तट पर एक अजीब सी चीज दिखी। उन्होंने समुद्र के बहाव के साथ बहकर आया लकड़ी का एक मामूली टुकड़ा समझा, जिसमें कुछ नुकीली कीलें निकली हुई थीं। जब हीथर उसे ध्यान से देखा, तो उसकी असलियत सामने आई। यह कोई साधारण लकड़ी नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे पुराने समुद्री मगरमच्छों में से एक का जीवाश्म था, जो करीब 20 करोड़ साल से भी ज़्यादा पुराना है।

हीथर साल्ट के लिए यह खोज किसी लॉटरी लगने से कम नहीं थी, क्योंकि उन्होंने अनजाने में इतिहास के पन्नों में दफन एक बेहद दुर्लभ शिकारी का राज खोल दिया था। हीथर ने तुरंत अपने गाइड और जीवाश्म वैज्ञानिक केसी रिच को इसकी जानकारी दी। केसी रिच ने जब उसे देखा, तो वे अपनी खुशी नहीं रोक पाए। उन्होंने बताया, 'एक फील्ड पैलियोन्टोलॉजिस्ट के तौर पर यही वो पल होते हैं, जिनके लिए हम जीते हैं। लोगों को बुनियादी चीजें सिखाकर हम उन्हें अपनी खुद की खोज करने का मौका देते हैं और कभी-कभी वे ऐसी चीजें ढूंढ लेते हैं जो विज्ञान के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं।' एक्सपर्ट्स ने पुष्टि की है कि यह जीवाश्म 'चार्मौथ क्रोकोडाइल' के नाम से मशहूर 'टर्नरसुचस हिंग्लेया' प्रजाति का है। यह अवशेष उस जीव के ऊपरी जबड़े की हड्डी का हिस्सा है। इस खोज की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पूरी दुनिया में अब तक इस प्रजाति के केवल 11 जीवाश्म ही मिले हैं। यह समुद्री मगरमच्छ करीब 20 करोड़ साल पहले धरती पर राज करता था और आधुनिक मगरमच्छों का पूर्वज माना जाता है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह जीव करीब दो मीटर लंबा होता था और इसका थूथन काफी पतला था, जो मछलियां पकड़ने के लिए सबसे सटीक हथियार था। यह अपना ज्यादातर समय पानी में बिताता था और केवल अंडे देने के लिए ही जमीन पर आता था। यह जीवाश्म न केवल ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह उस काल के समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में भी नई जानकारी देता है जब डायनासोरों का दौर शुरू ही हुआ था। हीथर की इस खोज ने साबित कर दिया कि कभी-कभी सबसे बड़े राज आपके पैरों के ठीक नीचे दफन होते हैं, बस उन्हें पहचानने वाली पारखी नजर चाहिए। इस जीवाश्म की असल पहचान होने के बाद इसे सहेजने और संरक्षित करने का काम शुरू किया गया।

फोटो ऑफ द डे

परलोक में भी मर्सिडीज की सवारी!

पिता के साथ कब्र में दफना दी डेढ़ करोड़ की कार...

चीन के लियाओनिंग प्रांत में एक परिवार ने 9 अप्रैल को अपने 70 वर्षीय पिता के अंतिम संस्कार में उनके साथ लगभग 1.5 करोड़ रुपये कीमत की असली मर्सिडीज-बेंज (S450L) कार कब्र में दफना दी। काले रंग की इस लग्जरी कार पर '8888' नंबर प्लेट लगी थी। मृतक को लग्जरी कारों का शौक था, इसलिए बच्चों ने उनकी आत्मा की शांति और परलोक की यात्रा के लिए पारंपरिक कागज की कार की जगह असली कार दफनाने का फैसला किया। क्रेन की मदद से लाल कपड़े से ढकी कार को कब्र में उतारा गया और मिट्टी डालने में मदद करने वाले ग्रामीणों को परिवार ने इनाम भी दिया। घटना का वीडियो वायरल होने पर पर्यावरण प्रदूषण (कार के ऑयल और बैटरी से) और कानूनी नियमों के उल्लंघन को लेकर विवाद शुरू हो गया। स्थानीय प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए परिवार को फटकार लगाई, जिसके बाद उन्हें सार्वजनिक माफी मांगनी पड़ी। अब परिवार को जुर्माना भरने के साथ-साथ कार को वापस निकालने और नुकसान की भरपाई का खर्च भी उठाना पड़ सकता है।

व्यंग

कृपया उचित दूरी बनाए रखें!

सागर कमल

आरंभ में ही मैं ये बात स्पष्ट कर देना अपना नैतिक कर्तव्य समझता हूँ कि मैं देश का एक सच्चा और ज़िम्मेदार नागरिक हूँ। और अब मेरे बाद कोई भी वैसा होने का दावा ना करे वरना मैं उस पर मानहानि का दावा ठोक दूँगा। इस सबके मद्देनज़र ही मैं कहना चाहूँगा कि देश के राष्ट्रीय चरित्र-निर्माण में ट्रकों का बड़ा योगदान है- जैसे गन्ने की पेमेंट का किसान की बेटी के ब्याह में विशेष महत्त्व है। किसी भी क़ीमत पर इसे नकारा नहीं जा सकता। बल्कि मैं तो कहता हूँ कि जो इस सत्य को नकारते हैं वे देश के 'सच्चे और ज़िम्मेदार' नागरिक नहीं कहे जा सकते। एक बार हमारे मास्टरजी ने बताया था कि संसार के सभी विषय परस्पर जुड़े हुए हैं। विज्ञान और नागरिकशास्त्र भी इसके अपवाद नहीं हो सकते- इतिहास गवाह है। नागरिकशास्त्र हमें नागरिक बनने की शिक्षा देता है। यानी नागरिकशास्त्र कहता है।

अच्छे नागरिक बनो और विज्ञान ने हमें ट्रक बनाकर दिया। दरअसल बात चली थी ट्रकों के राष्ट्रीय महत्त्व को लेकर और मैं ट्रक की ही गति से नागरिकशास्त्र पर आ गया। ऐसा हुआ ही इसलिए क्योंकि ट्रक बहुत महान सवारी है। हमारे देश की सभी ललित कलाओं की परिणति ट्रक में पाई जाती है। कुछ लोगों के लिए वह केवल एक गुड्स कैरियर हैं, लेकिन मैं ऐसा नहीं मानता। हमारे प्राचीन साहित्य में चौंसठ विद्याओं और सोलह कलाओं की चर्चा की गई है। संगीत, चित्रकला, कविता (कुछ लोग जिसे शायरी भी कहते हैं) आदि इसी श्रेणी में आती हैं। ट्रकों के साथ संगीत का तो कुछ ऐसा संबंध है कि भारत के सुगम, शास्त्रीय और लोक संगीत के सारे फ़ारमैट इसी एक वाहन में सर्वसुलभ हो जाते हैं।

सहगल से लेकर हनी सिंह तक सारे महान गायक जितने प्रेम के साथ ट्रकों में बजाए जाते हैं वैसे तो खुद उनके घरवालों ने भी उन्हें नहीं सुना होगा! एक दौर था जब अताउल्लाह ख़ान और अलताफ़ राजा बंबई से ज़्यादा ट्रकों में बैठकर गाया करते थे। और भाईसाब लोक संगीत का तो कहना ही क्या! आप कलकत्ते से अमृतसर वाले ग्रांड ट्रक रोड पर निकल जाइए, लगभग सारे ही उत्तर भारत को जान जाएँगे। हर गाँव, शहर, क़स्बे के वीर युवक ट्रक चलाते हुए मिलेंगे और अपनी एथनिक क़िस्म की सांस्कृतिक विरासत को ट्रकों में बजाते हुए भागे चले जा रहे होंगे। हिन्दी भाषा को इतना लोकप्रिय तो इसके कवियों-लेखकों ने भी नहीं बनाया जितना कि इन ट्रकों में बजने वाले विविध बोली - भाषा के स्थानीय गीतों ने बनाया है।

चिंतन-मनन

वर्तमान में जिएं

मुनि ने सेठ की पुत्रवधू से पूछा, श्वसुरजी कहां हैं। उसने कहा, जूते की दुकान पर गए हैं। श्वसुर उस समय आराधना-कक्ष में आराधना कर रहा था। उसने सुना, वह तत्काल आया और बोला, महाराज! मेरी पुत्रवधू ने असत्य कहा है। मैं आराधना कर रहा था। इसने जानते हुए भी असत्य कहा है। मुनि ने सेठ से कुछेक प्रश्न पूछे। पूछते-पूछते एक प्रश्न के उत्तर में सेठ ने कहा, धर्म की आराधना तो चल रही थी, किन्तु एक बात मन में चक्कर लगा रही थी कि आराधना पूरी होते ही मैं दुकान पर जाकर जूते खरीदूंगा। जूते फट गए हैं, अच्छा नहीं लगता। कब आराधना पूरी हो और कब मैं जूते वाले के यहां जाऊं। इसी विचार से आराधना पूरी कर अब बाहर आया हूं। मुनि बोले, सेठजी! तुम्हारी पुत्रवधू ने सत्य ही तो कहा था। तुम्हारा शरीर आराधना-कक्ष में था, पर चित्त जूते की दुकान के चक्कर लगा रहा था। बिना चित्त के आराधना कैसी। प्रत्येक आदमी की आज यही दशा है। उसका चित्त किसी और दिशा में जा रहा है और शरीर किसी भिन्न दिशा में है। हमारा शरीर स्नायविक क्रिया के आधार पर काम करता है। कोई व्यक्ति जब पहले दिन सीढियों पर चढ़ता है, तब सावधानी से पैर रखता है। दस-बीस बार उन सीढियों पर चढ़ चुकने के बाद पैर अभ्यस्त हो जाते हैं। इसी प्रकार हमारे शारीरिक स्नायुओं को अभ्यास हो जाता है, फिर काम के साथ चित्त को जोड़ना नहीं पड़ता। काम यंत्रवत् पूरा हो जाता है। हमें पता ही नहीं चलता। एक सफल सूत्र है-वर्तमान में जीना।

ईएमएस फीचर

»न्यूज ब्रीफ

मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन 12 को

इंदौर। इंदौर जिले एवं आस-पास के क्षेत्रों में निवासित सभी पूर्व सैनिकों, वीरनारियों, विधवाओं एवं आश्रितों के कल्याण के लिये मासिक सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन आगामी 12 मई को प्रातः 11.30 बजे से जिला सैनिक कल्याण कार्यालय जयरामपुर कालोनी के सभागार में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन को कमांडर नगेश चंद्र मालवीय (से.नि.), जिला सैनिक कल्याण अधिकारी संबोधित करेंगे । इस दौरान पूर्व सैनिकों, सैनिक विधवाओं, आश्रितों एवं वीर नारियों की समस्या का निदान किया जायेगा एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी । सभी पूर्व सैनिकों एवं परिवारों से आग्रह किया गया है कि सम्मेलन में उपस्थित होकर अवसर का लाभ लें।

ऑपरेशन टोटल क्लीन के तहत आबकारी विभाग का विशेष अभियान जारी

इंदौर। कलेक्टर के निर्देश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी जी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा ऑपरेशन टोटल क्लीन अभियान के अंतर्गत आज भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण एवं प्रवर्तन कार्यवाही की गई। अभियान हेतु गठित 4 अलग-अलग टीमों द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मदिरा दुकानों एवं उनके आसपास सघन निरीक्षण किया गया। अभियान के दौरान मदिरा दुकानों के आसपास साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था एवं सार्वजनिक व्यवस्था का निरीक्षण किया गया। जिन स्थानों पर अस्वच्छता पाई गई, वहां संबंधित अनुज्ञाधारियों को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए गए तथा मौके पर सफाई भी कराई गई। साथ ही दुकानों के आसपास यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने हेतु निजी सुरक्षा गार्डों की नियुक्ति सुनिश्चित कराई गई। शहर हित एवं स्वच्छता अभियान में अनुज्ञाधारियों द्वारा भी उत्साहपूर्वक सहभागिता दिखाई जा रही है तथा दुकानों एवं आसपास के क्षेत्रों में नियमित साफ-सफाई कराई जा रही है। कार्यवाही के दौरान दुकान के आसपास अवैध रूप से मदिरापान करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। अभियान के दौरान कुल 28 प्रकरण कायम कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई।आज अभियान के अंतर्गत बाणगंगा क्रमांक-02, इमली बाजार, रोशन सिंह भंडारी मार्ग, कनाड़िया बायपास चौराहा, बंगाली चौराहा क्रमांक-01, भागीरथपुरा, ट्रांसपोर्ट नगर, खंडवा नाका, हीरा नगर, एमआर-10, द्वारकापुरी, लोहामंडी, जूनी इंदौर, जवाहर मार्ग, गौरी नगर, गंगा नगर एवं सिरपुर तालाब क्षेत्र स्थित मदिरा दुकानों का निरीक्षण किया गया।

कैंसर मरीजों को नई उम्मीद, आयुर्वेद अस्पताल में शुरू हुई ओजोन थैरेपी

इंदौर के हॉस्पिटल में देशभर से पहुंच रहे मरीज, 8 माह में 400 से ज्यादा को मिला लाभ

इंदौर।

शासकीय अष्टांग आयुर्वेद हॉस्पिटल में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों के लिए अब राहत की नई उम्मीद दिखाई देने लगी है। आयुर्वेद आधारित इलाज के साथ यहां शुरू की गई ओजोन थैरेपी से मरीजों को फायदा मिलने का दावा किया जा रहा है। अस्पताल के शल्य तंत्र विभाग में अगस्त 2025 से शुरू हुई इस थैरेपी का लाभ अब तक 400 से ज्यादा मरीज ले चुके हैं।

कैंसर का नाम सुनते ही मरीज और उसका परिवार मानसिक, शारीरिक और आर्थिक तनाव में घिर जाता है। ऐसे में सरकारी स्तर पर बिना बड़े दुष्प्रभाव वाले वैकल्पिक उपचारों पर भी जोर दिया जा रहा है। कैंसर के गंभीर दर्द से राहत दिलाने के लिए यह थैरेपी कारगर साबित हो रही है । अस्पताल की आयुर्वेद कैंसर यूनिट में हर साल देशभर से करीब 1000 मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

ऑक्सीजन बढ़ाकर शरीर मजबूत करने का दावाशल्य तंत्र विभागाध्यक्ष एवं आयुर्वेद कैंसर यूनिट संचालक डॉ अखलेश भार्गव के मुताबिक ओजोन थैरेपी शरीर में ऑक्सीजन की उपलब्धता बढ़ाने का कार्य करती है। उनका कहना है कि ऑक्सीजन की कमी कई बीमारियों को बढ़ाती है, जबकि ओजोन थैरेपी शरीर की कोशिकाओं को सक्रिय कर रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने में मदद करती है। अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2025 से अप्रैल 2026 तक अगस्त में 41, सितंबर में 102, अक्टूबर में 46, नवंबर में 24, दिसंबर में 19, जनवरी में 38, फरवरी में 37, मार्च में 17 और अप्रैल में 29 मरीजों को यह थैरेपी दी गई।

इंजेक्शन और अन्य तकनीकों से दी जाती है थैरेपी

डॉक्टरों के अनुसार ओजोन ऑक्सीजन का सक्रिय रूप है, जिसे मशीन के जरिए शरीर में पहुंचाया जाता है। यह थैरेपी विभिन्न तरीकों से दी जाती है, जिसमें इंजेक्शन, घाव के आसपास उपयोग और कुछ मामलों में अन्य चिकित्सीय प्रक्रियाएं शामिल हैं। अस्पताल में सप्ताह में दो दिन डॉ आकाश बिसोने सेवाएं दे रहे हैं।

जोड़ों के दर्द से लेकर कैंसर तक उपयोग का दावा

अस्पताल प्रबंधन का दावा है कि ओजोन थैरेपी का उपयोग कैंसर के अलावा घुटनों के दर्द, कमर दर्द, त्वचा रोग और घाव भरने जैसी समस्याओं में भी किया जा रहा है। यूनिट में डॉ श्वेता वर्मा, डॉ शेखर पटेल सहित अन्य पैरामेडिकल स्टाफ सेवाएं दे रहा है। अस्पताल के चिकित्सकों का कहना है कि यूरोपीय देशों में यह तकनीक पहले से उपयोग में है और इस विषय पर कई रिसर्च पेपर भी प्रकाशित हो चुके हैं। आयुर्वेद और आधुनिक तकनीक के मेल से कैंसर मरीजों को राहत देने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की आइसक्रीम निर्माण इकाइयों पर कार्रवाई

दो प्रतिष्ठानों से कुल 10 नमूने जांच हेतु लिए गए

एक इकाई में निर्माण कार्य बंद, दूसरे को नोटिस जारी

इंदौर।

कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सतत निरीक्षण एवं जांच कार्रवाई की जा रही हैं। इसी क्रम में आज 10 मई,2026 को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा शहर की दो आइसक्रीम निर्माण इकाइयों का औचक निरीक्षण कर कुल 10 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए।

चैंपियंस आइसक्रीम एंड फोजन फूड पर कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा राजाराम नगर स्थित चैंपियंस आइसक्रीम एंड फ्रोजन फूड इकाई का निरीक्षण किया गया। जहां खाद्य कारोबारकर्ता नीलेश विश्वकर्मा उपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान निर्माण हेतु वैध अनुज्ञप्ति उपलब्ध नहीं पाई गई। साथ ही पैकेजिंग सामग्री पर लेबलिंग संबंधी जानकारी भी अपूर्ण मिली। निरीक्षण में रॉ मटेरियल का भंडारण अस्वच्छ एवं अव्यवस्थित पाया गया तथा कुछ जंग लगे सांचे भी उपयोग में पाए गए। निर्माण में प्रयुक्त पानी की जांच रिपोर्ट भी प्रस्तुत नहीं की गई। फ्रीजर रूम में खाद्य सामग्री का भंडारण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। मौके से वनीला फ्रोजन डेजर्ट, केसर पिस्ता कुल्फी, मावा एवं चॉकलेट पेस्ट के कुल 4 नमूने जांच हेतु लिए गए। वैध निर्माण अनुज्ञप्ति प्राप्त होने तक संबंधित इकाई का निर्माण कार्य स्थगित कर दिया गया है।

रुद्राक्ष आइसक्रीम इकाई का निरीक्षण

3इसी क्रम में कृष्णा पार्क कॉलोनी, छोटा बांगड़दा स्थित रुद्राक्ष आइसक्रीम इकाई का भी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी नरेश कुमावत उपस्थित पाए गए। जांच में विभिन्न फ्लेवर की आइसक्रीम का निर्माण अस्वच्छ परिस्थितियों में किया जाना पाया गया। निर्माण में प्रयुक्त कई फ्लेवर बिना लेबल के मिले, जिन पर आवश्यक जानकारी अंकित नहीं थी। खाद्य पदार्थों के भंडारण स्थल पर भी अव्यवस्था पाई गई। मौके से आइसक्रीम के 5 एवं टूटी फरूटी का एक नमूना, इस प्रकार कुल 6 नमूने जांच हेतु लिए गए। बिना लेबल पाए गए फ्लेवर्स का मौके पर ही विनष्टीकरण कराया गया। परिसर में पाई गई अनियमितताओं के संबंध में संबंधित विक्रेता को नोटिस जारी किया जाएगा।

कलेक्टर ने कहा है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

बेटमा में लगातार दो हत्याएं

इंदौर। इंदौर से 30 किलोमीटर दूर बेटमा में लगातार हत्याएं हो रही हैं। चार दिन पहले हुई हत्या की गुत्थी अभी सुलझी भी नहीं थी कि अब एक युवक की पत्थरों से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। हत्यारे शव को चंबल नदी के किनारे फेंककर फरार हो गए। पुलिस अब आरोपियों का पता लगाने में जुटी हुई है। हत्या के लिए हथियारों के बजाय पत्थर का इस्तेमाल किया गया। इससे पुलिस कयास लगा रही है कि तात्कालिक विवाद के चलते युवक को मौत के घाट उतारा गया। पुलिस यह भी पता कर रही है कि युवक की किसी से पुरानी रंजिश तो नहीं थी। बेटमा पुलिस को सूचना मिली थी कि बेटमा निवासी समीर पटेल घर से लापता हो गया है। इस बीच ग्रामीणों ने नदी किनारे पुल के नीचे एक शव देखा। वह समीर पटेल का शव था। शव के पास खून से सना पत्थर भी मिला, जिससे पता चला कि युवक की बेरहमी से हत्या की गई। समीर कारीगर था और टाइल्स लगाने का काम करता था। दो दिन पहले वह काम से घर लौटा था और रोज की तरह टहलने निकला था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। समीर के दो बच्चे हैं। आठ साल पहले उसकी शादी हुई थी। पुलिस को यह भी पता चला है कि उसके साथ एक युवक भी था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

दो दिन जीवन संघर्ष के बाद घायल ने दम तोड़ा

होलकर कॉलेज के पास हुआ था हादसा

इंदौर।

भंवरकुआं थाना क्षेत्र में पिछले दिनों हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए 30 वर्षीय युवक ने शनिवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया। युवक अपनी बाइक से घर वापस जा रहा था, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे जोरदार टक्कर मार दी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है, हालांकि अब तक टक्कर मारने वाले वाहन का सुराग नहीं मिल पाया है।

भंवरकुआं पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवाजी नगर निवासी सागर पिता मछिंदर सस्ते (30 वर्ष) 2 मई की रात अपनी बाइक से घर लौट रहा था। जब वह होलकर कॉलेज के समीप पहुंचा तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि सागर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें तुरंत उपचार के लिए एप्पल अस्पताल में भर्ती कराया।

उपचार के दौरान तोड़ा दम

हादसे की सूचना मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और सागर की स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए अरबिंदो अस्पताल ले गए। वहां कई दिनों तक उपचार चलने के बाद भी उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। चार दिन पहले हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उन्हें एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया था। एमवाय अस्पताल में विशेषज्ञों की देखरेख में इलाज के बावजूद शनिवार को सागर की मृत्यु हो गई। इस खबर के बाद से ही परिवार में शोक की लहर दौड़ गई है।

इकलौता बेटा था सागर

परिजनों ने बताया कि सागर अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। उसकी दो बड़ी बहनें हैं, जिनका विवाह महाराष्ट्र में हो चुका है। घर का चिराग बुझने से वृद्ध माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि परिवार सागर के विवाह के लिए रिश्ता तलाश रहा था और घर में खुशियों की तैयारी चल रही थी, लेकिन इस सड़क हादसे ने सब कुछ छीन लिया। पुलिस अब क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी वाहन चालक की पहचान की जा सके।

मैंगों जत्रा में लोग उठा रहे कोकर्ण के मशहूर हापूस आमों के लुत्फ

इंदौर।

ढक्कनवाला कुआं क्षेत्र में लगे मैंगों जत्रा में लोग कोकर्ण के मशहूर हापूस आमों का लुफ्त उठाने आ रहे हैं। कोकर्ण के तटों की मिट्टी में पके आमों को लेकर 25 किसान बीते दिनों से इंदौर में हैं। जलवायु परिवर्तन का असर इस बार देश के कई शहरों में आमों के उत्पादन पर पड़ा है। इस बार आमों की मिठास कम है और रंग भी फीका है। हापूस आम भी जलवायु परिवर्तन से अछूता नहीं रहा। कोकर्ण के किसान महेश सुरवे ने बताया कि इस साल में बारिश कोकर्ण के तटों पर ज्यादा हुई। इस कारण आम का उत्पादन कम हुआ। आमों के लिए जैसी गर्मी चाहिए थी ताकि वे प्राकृतिक तरीके से पक सकें, वो भी नहीं पड़ी।

बारिश के कारण पेड़ों पर आम के मोर झड़ गए। इस कारण आम कम आए। इसका असर मार्केट पर भी है। हापूस आमों की कीमत पिछले साल की तुलना में ज्यादा है। दो साल पहले भी इसी तरह की स्थिति बनी थी। किसान प्रसन्न पाटले बताते हैं कि मौसम का असर हापूस आम पर पड़ता है। पिछले साल छह माह तक बारिश थी। इस बार 60 प्रतिशत फसल कम है। हापूस आम 800 रुपये से 1,500 रुपये दर्जन होते हैं।

बारिश पेड़ों पर आई बहार को खत्म कर देती है।

रसायन से पका आम- किसानों ने बताया कि कार्बाइड और केमिकल से पका आम बाहर से पूरा पीला दिखता है, लेकिन अंदर से खट्टा रहता है। उसका छिलका भी मोटा रहता है, जबकि परंपरागत तरीके से पकाया गया आम ऊपर से भले ही थोड़ा कच्चा दिखे, लेकिन भीतर से मीठा और पीला रहता है।

गुठली लेगा हार्टिकल्चर विभाग- मैंगों जत्रा के आयोजक राजेश शाह ने बताया कि जत्रा में जो आम लोग खरीदकर खा रहे हैं, उसकी गुठलियां भी संभाल कर रखी जा रही हैं, क्योंकि यह ऑरिजनल हापूस है। उस गुठली को हार्टिकल्चर विभाग संभाल कर रहा है और उससे रोपे तैयार किए जा रहे हैं।

रेलिंग से टकराई बाइक युवक-युवती की दर्दनाक मौत

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में स्थित लवकुश चौराहे के ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस घटना में एक युवक और एक युवती की जान चली गई है। जानकारी के अनुसार, दोनों दोपहिया वाहन पर सवार होकर ब्रिज से गुजर रहे थे, तभी उनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर रेलिंग से टकरा गई। वाहन की रफ्तार इतनी तेज थी कि टक्कर लगते ही युवती ब्रिज से उछलकर नीचे जा गिरी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसे के तुरंत बाद राहगीरों की मदद से दोनों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया था। वहीं युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई थी और उसका इलाज जारी था। पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, शनिवार को उपचार के दौरान युवक ने भी दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद से क्षेत्र में शोक का माहौल है और पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। बाणगंगा थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि यह दुर्घटना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात को हुई। मृतकों की पहचान पायल चावड़ा और अकरम के रूप में हुई है। ये दोनों विजय नगर इलाके से सुपर कॉरिडोर की ओर जा रहे थे। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि दोनों एक ही निजी कंपनी में कार्यरत थे। युवती मूल रूप से कालापीपल की निवासी थी और युवक मंदसौर का रहने वाला था। पुलिस ने युवती के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है, जबकि युवक के शव का पोस्टमार्टम किया जाना बाकी है।

गैस टंकी फटी, गैस लाइन तक आग पहुंचने से पहले ही बुझाई

पुलिस की सक्रियता से टला हादसा

इंदौर।

रविवार सुबह इंदौर में पुलिस की सक्रियता ने एक बड़ा हादसा होने से बचा लिया। सुबह जब पुलिस की टीम प्रभात गश्त पर थी, तभी थाना लसूड़िया क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एमआर-3 रोड पर एक गैस टंकी में आग लगने की आपातकालीन सूचना प्राप्त हुई। जानकारी मिली की एक व्यक्ति झुलस गया है और जहां टंकी में आग लगी है वहीं पर पास ही गैस की लाइन भी जा रही है।

रहवासी क्षेत्र में फैली दहशत और अफरा-तफरी

जैसे ही गैस टंकी में आग लगने की खबर फैली, पूरे क्षेत्र में भगदड़ और भय का वातावरण बन गया। घटना स्थल के समीप सघन रहवासी बस्ती होने और वहां से गैस पाइपलाइन गुजरने के कारण स्थानीय लोग बेहद डरे हुए थे। लोगों को इस बात का डर सता रहा था कि यदि टंकी में विस्फोट हुआ तो यह एक बड़ी त्रासदी का रूप ले सकता है। मौके पर मौजूद भीड़ और संभावित खतरे को देखते हुए स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी।

रहवासी क्षेत्र में फैली दहशत और अफरा-तफरी

जैसे ही गैस टंकी में आग लगने की खबर फैली, पूरे क्षेत्र में भगदड़ और भय का वातावरण बन गया। घटना स्थल के समीप सघन रहवासी बस्ती होने और वहां से गैस पाइपलाइन गुजरने के कारण स्थानीय लोग बेहद डरे हुए थे। लोगों को इस बात का डर सता रहा था कि यदि टंकी में विस्फोट हुआ तो यह एक बड़ी त्रासदी का रूप ले सकता है। मौके पर मौजूद भीड़ और संभावित खतरे को देखते हुए स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी। पुलिस की समय रहते की गई कार्रवाई से एक बहुत बड़ा हादसा टल गया, जिससे आसपास के रहवासियों ने राहत की सांस ली। क्षेत्र के नागरिकों ने पुलिस अधिकारियों और जवानों की तुरंत कार्रवाई की प्रशंसा की। लोगों का कहना था कि यदि पुलिस बल मौके पर तुरंत न पहुंचता, तो स्थिति अत्यंत भयावह हो सकती थी।

पुलिस टीम ने की त्वरित कार्रवाई

सूचना मिलते ही गश्त पर तैनात एसीपी हीरानगर रूबीना मिजवानी, लसूड़िया एवं विजय नगर की एफआरवी और बीट महालक्ष्मी नगर के जवान बिना किसी देरी के घटना स्थल पर पहुंचे। एसीपी ने हालात का जायजा लेते हुए तुरंत आग पर काबू पाने के निर्देश दिए। पुलिस के जवानों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया और संसाधनों का सही उपयोग करते हुए जलती हुई गैस टंकी पर नियंत्रण पाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एमआर-3 रोड सनसिटी के पास स्थित एक खाली प्लॉट पर बनी गुमटी के पास रखी टंकी में यह आग लगी थी। इस दुर्घटना में सरस्वती नगर निवासी 50 वर्षीय भगवान सिंह पिता समर सिंह आंशिक रूप से झुलस गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायल व्यक्ति को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया। पुलिस की इस सक्रियता के कारण आग को अन्य सिलेंडरों या गैस लाइन तक फैलने से पहले ही बुझा दिया गया।

इंदौर का मदर मिल्क बैंक देश में रोल मॉडल बना, दो साल पहले हुई थी शुरुआत

इंदौर।

इंदौर के सरकारी एमटीएच में मदर मिल्क बैंक का संचालन हो रहा है। इंदौर का मदर मिल्क बैंक देश में रोल मॉडल बन चुका है। साल 2023 में सरकारी एमटीएच में खोले गए इस सेंटर से अब तक करीब डेढ़ हजार से अधिक नवजातों की जान बचाई गई है। सेंटर में काउंसलिंग के बाद 1500 से अधिक महिलाओं ने करीब 350 लीटर दूध डोनेट किया है। एमटीएच प्रबंधन के मुताबिक, 2023 से मिल्क बैंक शुरू होने के बाद नवजात मृत्यु दर 25% से घटकर 10 प्रतिशत तक आ गई है।

दरअसल, मां का दूध बच्चों के लिए बहुत ही जरूरी है। अगर किन्हीं कारणों के चलते न्यू बोर्न बेबी को मां का दूध नहीं मिले और वह कमजोर, बीमार, अनाथ या प्री टर्म हो तो उसकी मौत हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए दो साल पहले इंदौर में प्रदेश के पहले मदर मिल्क बैंक की शुरुआत हुई। सरकारी एमटीएच में यह मिल्क बैंक खोला गया। इसका पैटर्न कुछ ब्लड बैंक जैसा ही है, लेकिन डोनेट किए दूध को स्टोर करना और फिर उसे संबंधित बच्चों को उपलब्ध कराने की प्रोसेस भी अद्भुत है। इसके पूर्व संबंधित प्रसूता जिसे अपने बच्चे को दूध पिलाने के अलावा अन्य बच्चों को भी डोनेट करने के लिए उसकी काउंसलिंग की जाती है। इन दो साल में इस काम में तेजी आई है। 1500 से ज्यादा बच्चों को मां का दूध उपलब्ध कराया गया। प्रदेश के इकलौते इस मदर मिल्क बैंक से मालवा-निमाड़ और प्रदेश ही नहीं बल्कि राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के बच्चों को जन्म से ही किसी अन्य मां का पौष्टिक दूध मिला।

आखिर क्यों पड़ी मदर मिल्क बैंक की जरूरत

देश के कई शहरों और कस्बों में मां का दूध नहीं मिलने से नवजातों की मृत्यु दर बढ़ने लगी थी। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए नेशनल हेल्थ मिशन (NHM) ने मध्यप्रदेश में इंदौर को मदर मिल्क बैंक के लिए उपयुक्त माना। साल 2022 में करोड़ों की लागत से इंदौर में महाराजा तुकोजीराव हॉस्पिटल (MTH) का निर्माण हुआ, जो मेटरनिटी हॉस्पिटल है। इसके साथ ही एमवाई अस्पताल का गायनिक विभाग भी यहीं शिफ्ट कर दिया गया। इसी दौरान एनएचएम और एमजीएम मेडिकल कॉलेज की मदद से कॉम्प्रिहेंसिव लेक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर (CLMC) यानी मदर मिल्क बैंक की शुरुआत की गई। चूंकि उस समय कोरोना का अंतिम दौर चल रहा था, इसलिए इसकी शुरुआत बेह तर नहीं रही। लेकिन मार्च 2023 से इसका संचालन पूरी तरह सक्रिय हो गया, जिससे जरूरतमंद नवजातों को समय पर मां का दूध उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी विस्तार की तैयारी

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डाक्टर अरविंद घनघोरिया ने बताया कि प्रदेश के अन्य सरकारी अस्पतालों के लिए एमटीएच रोल मॉडल है , ह।रूद्वारा लगातार इसका रिव्यू किया जा रहा है एवं अब प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों के अधीन सरकारी अस्पतालों में भी मदर मिल्क बैंक की स्थापना की जाएगी। इसके लिए इंदौर का मदर मिल्क बैंक रोल मॉडल रहेगा। इस दिशा में प्रोसेस शुरू हो चुकी है। डीन घनघोरिया ने कहा प्रीमैच्योर या SNCU (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) में भर्ती गंभीर नवजातों को इंफेक्शन का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। अगर इन्हें समय पर मां का दूध मिल जाए तो उनकी जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। कई बार बच्चा अनाथ होता है, मां की मौत हो जाती है, या किसी कारणवश दूध नहीं बनता। ऐसे में मां का दूध मिलना मुश्किल हो जाता है। इन्हीं हालातों के लिए मदर मिल्क बैंक की शुरुआत की गई, ताकि किसी दूसरी मां के पोषक दूध से भी नवजात को नया जीवन मिल सके।

चार राज्यों के नवजातों को मिला जीवनदान

इंदौर के एमटीएच अस्पताल में प्रसूताओं के लिए करीब 150 बेड की व्यवस्था है, जिसमें नवजात शिशुओं के लिए भी पर्याप्त सुविधा है। साथ ही यहां SNCU (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) की क्षमता लगभग 60 बेड की है। यहां सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि भोपाल, ग्वालियर, मंदसौर, गुना, आगर मालवा, झाबुआ, खंडवा, बुरहानपुर सहित मालवा-निमाड़ के कई जिलों की महिलाएं और उनके नवजात शिशु भर्ती होते हैं। इसके अलावा गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र से भी सीमाओं से लगे शहरों से भी महिलाएं इलाज और प्रसव के लिए यहां पहुंचती हैं। इस प्रकार 1500 से ज्यादा बच्चों को नया जीवन मिला है। मां का दूध डोनेट करने के लिए बीते 3 साल में यहां 20 हजार से ज्यादा प्रसूता महिलाओं की काउंसलिंग की गई। इसमें से 1500 से ज्यादा महिलाओं ने अपना दूध डोनेट किया। इसकी मात्रा 350 लीटर से ज्यादा है। जिससे करीब 1500 बच्चों को नया जीवन मिला।

भव्य एवं वैदिक रीति से संपन्न हुआ 21 नवयुगल जोड़ों का निःशुल्क सामूहिक विवाह समारोह

श्री श्री रविशंकर जी के 70वें जन्मोत्सव पर समाजसेवा और संस्कारों का अनुपम संगम

इंदौर।

आर्ट ऑफ लिविंग वैदिक धर्म संस्थान एवं नयनतारा स्पोर्ट्स एंड योगा वेलफेयर सोसायटी, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में परम पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के 70वें जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित 21 नवयुगल जोड़ों का निःशुल्क भव्य ग्रामीण वैदिक सामूहिक विवाह समारोह रविवार को राघव कृपा फार्म हाउस, बिचौली हप्सी, इंदौर में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं वैदिक परंपराओं के साथ संपन्न हुआ।

समारोह में नवदंपत्तियों का विवाह वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान एवं पारंपरिक संस्कारों के मध्य सम्पन्न कराया गया। विवाह समारोह में समाज के विभिन्न वर्गों, संतजनों, जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ बारात आगमन एवं स्वागत के साथ हुआ, जिसके पश्चात तोरण, वरमाला एवं वैदिक विवाह संस्कार सम्पन्न हुए। विवाह संस्कारों के दौरान संपूर्ण वातावरण वैदिक मंत्रों, मंगल गीतों एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के मार्गदर्शन में आर्ट ऑफ लिविंग पिछले 45 वर्षों से मानव सेवा, संस्कार, योग, ध्यान एवं तनावमुक्त समाज निर्माण हेतु निरंतर कार्य कर रहा है। यह सामूहिक विवाह आयोजन केवल एक सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों एवं वैदिक परंपराओं के संरक्षण का प्रेरणादायी प्रयास है।

समारोह में आदिवासी समाज की कन्याओं सहित सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद स्वरूप लगभग 50,000 तक का गृहस्थी उपयोगी सामान कन्यादान के रूप में प्रदान किया गया। इसमें अलमारी, पलंग, बिछिया एवं दैनिक उपयोग की अन्य आवश्यक सामग्री शामिल रही, जिससे नवदंपत्तियों को नए जीवन की शुरुआत में सहयोग मिल सके।

कार्यक्रम में उपस्थित संतजनों एवं अतिथियों ने विवाह संस्था को भारतीय संस्कृति की आधारशिला बताते हुए कहा कि विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों, संस्कारों एवं मूल्यों का पवित्र मिलन है।

इस अवसर पर स्वामी गुरुकृपानन्द जी, स्वामी हरिहरा जी, स्वामी प्रभानंद जी, स्वामी शिवानंद जी, गायत्री परिवार से अनिल रावल जी, जी.एल. ढींगरा जी, जिलीक सिंह सोलंकी जी, अजय शर्मा जी, सांसद शंकर ललवानी जी एवं वरिष्ठ नेता सत्यनारायण सत्तन जी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

साथ ही मनीष सोनी जी, राजेन्द्र चौहान जी, मुकेश खंडेलवाल जी एवं सुरेश पटेल सोनू पांचाल आयोजन व्यवस्था एवं सामाजिक सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

डॉगरी ,लुड्डी,तमेटागुल्लु, बरेदी ,गणगौर ,गुड्डम बाजा ने जमाया रंग

भीड़ भरा माहौल नजर आया मालवा उत्सव में

रजत जयंती वर्ष पर विशेष कार्यक्रम कल

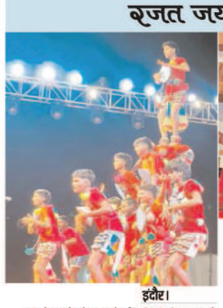

रजत जयंती वर्ष

रजत जयंती वर्ष पर विशेष समवेत प्रस्तुति का आयोजन पवन शर्मा एवं निदेश शर्मा ने बताया कि ने बताया कि मालवा उत्सव में यह वर्ष रजत जयंती वर्ष है इस उपलक्ष में 25 राज्यों के प्रतिनिधि कलाकार एवं 250 कलाकारों द्वारा एक सामूहिक समवेत प्रस्तुति दी जावेगी जो अपने आप में अनूठी रहेगी।

इंदौर।

मां से झूले में झूलने के लिए जिद करते हुए बच्चे, झाल मुरी के स्टॉल पर युवाओं की भीड़, शिल्प को देखकर आश्चर्यचकित हो जाने वाली नवयुतियां और तालियां बजाते कला प्रेमी दर्शक लोक नृत्य करते कलाकारों का उत्साह बढ़ाते कला प्रेमी यह भीड़ भरा माहौल आज दशहरा मैदान परिसर में नजर आया। लोक संस्कृति मंच के संयोजक शंकर लालवानी ने बताया कि मालवा उत्सव मे कर्नाटक से आए लोक कलाकारो ने भगवान शिव की आराधना में किया जाने वाला तमेटागुल्लु नृत्य जिसमें लगभग 12 से अधिक कलाकारों द्वारा टिमकी नुमा वाद्य यंत्र बजाकर घूम घूम कर छल-उछलकर पिरामिड बनाकर शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी। शुरुआत में नागपुर से आई ढोल ताशा पार्टी ने अपनी प्रस्तुति दी। गुजरात का प्रसिद्ध राजकोट से आए कलाकारों ने हुडा रास प्रस्तुत किया करने नवसारी से

लोक संस्कृति मंच के दीपक लवंगडे , विशाल गिद्धानी एवं बंटी गोयल ने बताया कि यादव समाज द्वारा किया जाने वाला श्री कृष्ण की आराधना के लिए बरेदी नृत्य सागर से आई टीम ने प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने कई तरह के पिरामिड बनाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। गुजरात के भावनगर से आई टीम ने टिपनी प्रस्तुत किया जो की एक पारंपरिक गरबा है निमाड़ का प्रसिद्ध नृत्य गणगौर भी प्रस्तुत हुआ जिसमें माथे पर गणगौर लेकर संजय महाजन की टीम ने नृत्य किया।विभिन्न पिरामिड बनाकर कौड़ियों वाली ड्रेस पहनकर गुड्डम बजाते हुए डिंडोरी जिले के आदिवासी कलाकारों ने गुड्डम बाजा नृत्य आदिवासी अंचल की बानगी प्रस्तुत कर गया। पंजाब से आए कलाकारों ने ऊर्जा युक्त लुडी नृत्य में से सब का मन मोह लिया वहीं जम्मू कश्मीर से आए कलाकारों ने डोंगरी जो की शादी के समय किया जाता है प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने चूड़ीदार पजामा कुर्ता और डोंगरी पहनी हुई थी।

रितेश पिपलिया एवं जुगल जोशी ने बताया कि कर्नाटक के कलाकार ने शिव की आराधना में किया जाने वाला पारंपरिक लोक नृत्य प्रस्तुत किया स्थानीय कलाकारों में नरसी अवतार की कथा आयाम कथक अकैडमी के द्वारा प्रस्तुत की गई वहीं आशा अग्रवाल समूह द्वारा फागुन के रंग श्याम के संग प्रस्तुत किया गया संजना जोशी के समूह द्वारा मेघ मल्हार मानसून का उत्सव कत्थक के माध्यम से खूबसूरत बन पड़ा था इसके अलावा प्रतिमा झालानी समूह ने एक स्मृति आदित्य समूह ने भी प्रस्तुति दी इस अवसर पर सतीश शर्मा कंचन गिद्धानी ज्योति तोमर मुद्रा शास्त्री रितेश पाटनी कमल आहूजा मुकेश पांडे मनीष सोनी विकास केतेले आदि मौजूद थे।

नितिन तापड़िया ने बताया कल से गुड्डमबाजा ,गरबा, तमेटागुल्लु, वीजुकंसाले, ढोल ताशा पार्टी, नौरता एवं विशेष प्रस्तुतियां व स्थानीय प्रस्तुतियां होगी। शिल्प मेला 4 बजे से शुरू होगा।

महामारी नियंत्रण के लिए सीएमएचओ ने निजी अस्पतालों को दिया डेटा साझा करने के निर्देश

भोपाल। संक्रामक रोगों की सही पहचान और महामारी नियंत्रण के लिए प्राइवेट अस्पतालों की सटीक रिपोर्टिंग बेहद जरूरी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) भोपाल डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि यदि निजी अस्पताल समय पर और पूरी जानकारी साझा नहीं करेंगे, तो बीमारी की वास्तविक स्थिति सामने नहीं आ पाएगी और सरकारी फैसले प्रभावित हो सकते हैं।राष्ट्रीय एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों के लिए कार्यशाला आयोजित की। इसमें संक्रामक रोगों की रिपोर्टिंग प्रक्रिया, जरूरी फॉर्मेट और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई।सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि भोपाल जैसे बड़े शहर में बड़ी संख्या में मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराते हैं। ऐसे में महामारी या संक्रमण के सही आंकड़े जुटाने के लिए प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी जानकारी अनमोल पोर्टल पर नियमित दर्ज करने पर भी जोर दिया।विशेषज्ञों ने बताया कि समय पर डेटा मिलने से संक्रमण की शुरुआती पहचान, अलर्ट जारी करने और आउटब्रेक मैनेजमेंट में तेजी आती है। यदि रिपोर्टिंग अधूरी रहती है, तो बीमारी के प्रसार का सही अनुमान नहीं लग पाता और स्वास्थ्य संसाधनों की योजना प्रभावित हो सकती है।कार्यशाला में यह भी स्पष्ट किया गया कि नोटिफायबल डिजीज की रिपोर्टिंग निजी अस्पतालों और हेल्थ फैसिलिटी के लिए कानूनी जिम्मेदारी भी है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि अंडर रिपोर्टिंग से महामारी नियंत्रण की रणनीति कमजोर पड़ सकती है।कार्यक्रम में नर्सिंग होम एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. संजय गुप्ता, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अनूप हजेला, पब्लिक हेल्थ विशेषज्ञ डॉ. चंद्रकांत मोघे, एनएबीएच के सहायक संचालक डॉ. नवीन चौधरी और भारतीय गुणवत्ता परिषद के सलाहकार जगत पटेल सहित कई विशेषज्ञ मौजूद रहे।

पीड़िता को अब तक न्याय नहीं, महिला सम्मान के सरकारी दावे खोखले-संगीता

भोपाल। पूर्व सांसद एवं विधायक डॉ. चिंतामणि मालवीय पर लगे गंभीर आरोपों के मामले में कार्रवाई नहीं होने पर कांग्रेस ने सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता एवं पूर्व महिला आयोग सदस्य संगीता शर्मा ने कहा कि प्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा 29 अप्रैल को राज्यपाल को ज्ञापन सौंपने के बावजूद अब तक कोई स्पष्ट जांच या कार्रवाई सामने नहीं आई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मालवीय पर महिलाओं के साथ कथित अशोभनीय व्यवहार, यौन शोषण और पद के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप हैं, लेकिन राजनीतिक प्रभाव के चलते कार्रवाई नहीं हो रही।

मातृ दिवस के अवसर पर शर्मा ने कहा कि यदि पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता, तो महिला सम्मान के दावे खोखले साबित होते हैं। कांग्रेस ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोष सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

अब एप से होगी लाइव मॉनिटरिंग

खेत में मौजूदगी जरूरी, दफ्तर में बैठकर नहीं चलेगी रिपोर्टिंग

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने कृषि व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए नई डिजिटल व्यवस्था लागू की है। अब कृषि विभाग के अधिकारी और कर्मचारी दफ्तर में बैठकर फील्ड विजिट की रिपोर्ट तैयार नहीं कर सकेंगे। उन्हें किसानों के खेत पर पहुंचकर ही 'सार्थक' एप के जरिए रियल टाइम रिपोर्टिंग करनी होगी। सरकार का उद्देश्य कागजी खानापूर्ति रोककर किसानों तक योजनाओं और तकनीकी मदद का वास्तविक लाभ पहुंचाना है।नई व्यवस्था के तहत कृषि विभाग के मैदानी अमले की हर गतिविधि जियो-फेंसिंग और जियो-टैगिंग तकनीक से ट्रैक होगी। जब कोई कृषि विस्तार अधिकारी किसी किसान के खेत पर जाएगा, तो उसे एप पर अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी। एप तभी रिपोर्ट स्वीकार करेगा, जब कर्मचारी की लोकेशन निर्धारित क्षेत्र में होगी। इसके साथ ही मौके की लाइव फोटो भी अपलोड करनी होगी, ताकि फर्जी रिपोर्टिंग पर पूरी तरह रोक लग सके।अब खेत पर खड़े होकर ही फसल की स्थिति, कीट प्रकोप, मिट्टी की गुणवत्ता और अन्य जरूरी जानकारियां एप में दर्ज की जाएंगी। यह डेटा तुरंत मुख्यालय तक पहुंचेगा, जिससे विशेषज्ञ समय रहते किसानों को तकनीकी सलाह दे सकेंगे। अधिकारियों के दौरों, बैठकों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का रिकॉर्ड भी डिजिटल वर्क लॉग के रूप में तैयार होगा, जिसे वरिष्ठ अधिकारी कभी भी देख सकेंगे।सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से किसानों को कृषि अधिकारियों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों तक पहुंचेगा। खाद, बीज और सब्सिडी वितरण के लिए सरकार के पास वास्तविक और प्रमाण आधारित आंकड़े उपलब्ध होंगे। साथ ही सिंचाई, पशुपालन और उद्यानिकी समेत 16 विभागों का डेटा एक ही प्लेटफॉर्म पर जुड़ने से योजनाओं के क्रियान्वयन में भी तेजी आएगी।

भोपाल में 16-17 मई को भाजपा का जिला प्रशिक्षण वर्ग

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी भोपाल नगर द्वारा आयोजित किए जा रहे जिला प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय स्थित मीडिया सेंटर में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत 16 एवं 17 मई को सन स्काई गार्डन, कोलूखेड़ी सीहोर रोड पर प्रस्तावित जिला प्रशिक्षण वर्ग की व्यवस्थाओं एवं जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला अध्यक्ष रविंद्र यति ने कहा कि संगठन की रीति-नीति, विचारधारा और कार्यपद्धति को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित यह प्रशिक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं के वैचारिक एवं संगठनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग में अनुशासन, व्यवस्थाओं और कार्यकर्ता सहभागिता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि कार्यक्रम सफल और प्रेरणादायी बन सके।

बैठक में प्रशिक्षण वर्ग के दौरान आवास, भोजन, सुरक्षा, मंच, पंजीयन, चिकित्सा एवं अनुशासन व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां कार्यकर्ताओं को सौंपी गईं।

सूखती बेतवा को बचाने मैदान में उतरे लोग

उद्गम स्थल से शुरू हुआ जनअभियान

भोपाल। भोपाल के पास ग्राम झिरी स्थित बेतवा नदी के सूखे उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करने और नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए रविवार से जनअभियान शुरू हो गया। बेतवा अध्ययन एवं जनजागरण समूह के बैनर तले आयोजित इस पहल में भोपाल, इंदौर सहित प्रदेश के कई शहरों से रिटायर्ड अधिकारी, पर्यावरण विशेषज्ञ और प्रकृति प्रेमी शामिल हुए। उद्गम स्थल पर बैठक कर नदी संरक्षण और स्वच्छता को लेकर आगे की रणनीति बनाई गई।मप्र-छत्तीसगढ़ के पूर्व आयकर आयुक्त आरके पालीवाल के नेतृत्व में हुई बैठक में तय किया गया कि भोपाल से कुरवाई तक बेतवा नदी के किनारे व्यापक स्वच्छता और जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य नदी में बढ़ते प्रदूषण को रोकना और लोगों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना है।समूह से जुड़े लोगों ने बताया कि पिछले वर्ष जनभागीदारी से उद्गम क्षेत्र में 55 चेक डेम बनाए गए थे, जिससे नदी के सूखे स्रोत को आंशिक रूप से पुनर्जीवित करने में मदद मिली। इस बार वन समितियों और वन विभाग के कई सेवानिवृत्त अधिकारी भी अभियान से जुड़े हैं, इसलिए उद्गम क्षेत्र में पहले से अधिक चेक डेम बनाने की तैयारी की जा रही है।अभियान में मप्र हाईकोर्ट द्वारा जल संरक्षण के लिए नियुक्त एडवोकेट मनीष विजयवर्गीय, पर्यावरण विशेषज्ञ डॉ. सुरेश गर्ग और कई पूर्व वन अधिकारी भी शामिल हुए। सभी ने बेतवा नदी के संरक्षण को जनआंदोलन बनाने पर जोर दिया।गौरतलब है कि वर्ष 2025 में बेतवा नदी का उद्गम स्थल पूरी तरह सूख गया था। इसके बाद बेतवा अध्ययन एवं जनजागरण समूह ने श्रमदान अभियान शुरू किया। पिछले साल भोपाल, विदिशा, सीहोर, बैतूल और इंदौर से आए सैकड़ों लोगों ने श्रमदान कर चेक डेम बनाए थे। इसी क्रम में इस वर्ष भी 10 से 16 मई तक उद्गम स्थल पर श्रमदान सप्ताह आयोजित किया जा रहा है।

स्वच्छता रैंकिंग सुधारने मैदान में उतरा नगर निगम

गंदगी मिली तो अफसरों पर होगी कार्रवाई

पिछली गलियां चमकाने सफाई का महाअभियान

भोपाल।

सुबह से देर रात तक चल रहा सफाई अभियान 100 से ज्यादा अधिकारियों को नोडल जिम्मेदारी

स्वच्छ सर्वेक्षण को लेकर भोपाल नगर निगम ने शहर में सफाई और सौंदर्यीकरण अभियान तेज कर दिया है। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि इस बार केवल मुख्य सड़कें नहीं, बल्कि पिछली गलियां और संकरी बैकलेन भी पूरी तरह चमकनी चाहिए। गंदगी मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।नगर निगम ने शहर की 80 पिछली गलियों को चिन्हित कर वहां विशेष सफाई और सौंदर्यीकरण शुरू किया है। इन गलियों में रंगीन कूड़ेदान लगाए जा रहे हैं, दीवारों पर पेंटिंग बनाई जा रही हैं और पौधारोपण कराया जा रहा है। निगम का दावा है कि 50 से ज्यादा गलियों का स्वरूप बदला जा चुका है। 85 वार्डों और 21 जोन में विशेष निगरानी टीमें तैनात

बेहतर काम करने वाले सफाई कर्मचारियों को मिलेगा सीधा इनाम आयुक्त संस्कृति जैन लगातार शहर के अलग-अलग इलाकों का निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने हुजूर, मध्य और दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्रों के अधिकारियों के साथ बैठक कर सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसी भी लक्ष्य इकाई में गंदगी मिलने पर संबंधित सहायक स्वास्थ्य अधिकारी और सफाई निरीक्षक जिम्मेदार होंगे।निगम को जानकारी मिली है कि स्वच्छ सर्वेक्षण की केंद्रीय टीम 15 मई के बाद कभी भी भोपाल पहुंच सकती है। इसे देखते हुए फील्ड विजिट और मॉनिटरिंग बढ़ा दी गई है। अधिकारियों को रोजाना मैदान में उतरकर व्यवस्थाएं जांचने के निर्देश दिए गए हैं।आयुक्त संस्कृति जैन ने कहा कि इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण में अच्छा प्रदर्शन होने पर प्रोत्साहन राशि सीधे सफाई कर्मचारियों को दी जाएगी, ताकि जमीनी स्तर पर काम करने वालों का मनोबल बढ़े और सफाई व्यवस्था और बेहतर हो सके।

इंदौर मदर्स डे पर नेहरू स्टेडियम से महिलाओं ने निकाली कार रैली

प्रभारी मंत्री का नीमच आगमन, सर्किट हाउस पर जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत

निर्मला भूरिया का सर्किट हाउस पर जनप्रतिनिधियों ने किया आत्मीय स्वागत

कोर कमेटी की बैठक में हुईं शामिल अधिकारियों ने की अगवानी

नीमच

प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री तथा नीमच जिले की प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया का रविवार को अल्प प्रवास पर नीमच आगमन हुआ।

जनप्रतिनिधियों द्वारा स्वागत- प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के नीमच सर्किट हाउस आगमन पर सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक दिलीप सिंह परिहार, विधायक अनिरुद्ध मारू, पूर्व सांसद सुभाष पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष सज्जन सिंह चौहान, जिला अध्यक्ष वंदना खंडेलवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया।

इस मौके पर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष राकेश पप्पू जैन, हेमंत हरित, आदित्य मालू, मेहर सिंह जाट, निलेश पाटीदार, सत्यनारायण गोयल एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

अधिकारियों ने की अगवानी- प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया के नीमच सर्किट हाउस पहुंचने पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एसपी राजेश व्यास, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवल सिंह सिसोदिया, सीएसपी सुश्री किरण चौहान, जिला महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी अंकिता पंड्या एवं अन्य अधिकारियों ने उनकी अगवानी कर पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर एसडीएम संजीव साहू, सहायक संचालक जनसंपर्क जगदीश मालवीय, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास श्री वैभव बैरागी, एसडीओपी सुश्री निकिता सिंह, तहसीलदार संजय मालवीय, थाना प्रभारी आर.सी. डांगी, अमित सारस्वत, रक्षित निरीक्षक विक्रम सिंह भदौरिया सहित **विभिन्न विभागों के अधिकारी-** कर्मचारी, आमजन, कार्यकर्ता एवं पत्रकारगण उपस्थित थे। प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने नीमच सर्किट हाउस पर कोर कमेटी की बैठक में भी शामिल होकर जनप्रतिनिधियों से चर्चा की।

मध्यप्रदेश में आम उत्पादन की बढ़ती संभावनाएँ

मंदसौर। भारत कृषि प्रधान देश होने के साथ उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में भी विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान रखता है। फलों, फूलों और सब्जियों के उत्पादन के माध्यम से देश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। इसी क्रम में मध्यप्रदेश ने उद्यानिकी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में अपना स्थान बनाया है। विशेष रूप से फल उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश देश में चौथे स्थान पर है। भारतवर्ष में कुल लगभग 1176 लाख मीट्रिक टन फलों का उत्पादन होता है।

स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

विनायक हॉस्पिटल की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग

भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

देवास

भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य ठा. गौतमसिंह राजपूत ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपकर देवास के विनायक हॉस्पिटल में हुई औचक जांच की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि हाल ही में देवास के श्रीराम हॉस्पिटल पर भ्रूण हत्या के मामले में प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई करते हुए अस्पताल को सील किया गया था। इसी क्रम में विनायक हॉस्पिटल में भी सीएमएचओ द्वारा कई घंटों तक औचक निरीक्षण किया गया, लेकिन अब तक जांच और कार्रवाई संबंधी कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। ठा. गौतमसिंह राजपूत ने आरोप लगाया कि मामले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चुप्पी साधना संदेह पैदा करता है।

उन्होंने कहा कि यदि निरीक्षण के दौरान किसी प्रकार की अनियमितता पाई गई है तो उसकी जानकारी जनता के सामने लाई जानी चाहिए। साथ ही संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली की उच्च स्तरीय जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई की जाए।

ज्ञापन में मुख्यमंत्री से मांग की गई है कि विनायक हॉस्पिटल की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता बनी रहे और आमजन का विश्वास कायम रहे।

» न्यूज ब्रीफ

एक शाम स्वच्छता के नाम प्रस्तुतियों के माध्यम से दिया स्वच्छता का संदेश

देवास। नगर निगम द्वारा निरंतर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे है इसी कड़ी में निगम आयुक्त दलीप कुमार के निर्देशानुसार शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य स्वरूप सयाजी द्वार चौपाटी पर एक शाम स्वच्छता के नाम कार्यक्रम का आयोजन शनिवार 9 मई को शाम 7.30 बजे से किया गया। कार्यक्रम में संस्था ओम साईं विजन द्वारा स्वच्छता गीत-संगीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से माहौल को स्वच्छतामय किया , गायन टीम द्वारा मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित लोगों ने भरपूर मनोरंजन उठाया मन को आनंदित किया। वही म्यूजिकल ग्रुप सोनू द बीस्ट द्वारा वाद्य यंत्रों की आकर्षक एवं ऊर्जावान प्रस्तुति कार्यक्रम में विशेष आकर्षण का केंद्र रही। ग्रुप की प्रस्तुति से उपस्थित नागरिक मंत्रमुग्ध हो गए और कार्यक्रम स्थल उत्साह एवं तालियों से गूंज उठा। टीम द्वारा स्वच्छता आधारित संदेशों के जरिए नागरिकों को गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग देने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने तथा अपने आसपास स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम अधिकारी /कर्मचारी , स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर महेश सोनी, स्वच्छ भारत मिशन से अरुण तोमर, संस्था ओम साईं विजन से मिथलेश चौकसे, शहनवाज शेख, मुकेश सोलंकी सहित फीडबैक फाउंडेशन आईईसी टीम एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर द्वारा नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने एवं स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 -26 में देवास को फिर से नंबर 1 बनाने का संकल्प लिया।

सीईओ जिला पंचायत ज्योति शर्मा ने किया निरीक्षण

देवास। जल गंगा संवर्धन एवं जल संचय जन भागीदारी अभियान को गति देने के लिए आज मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत ज्योति शर्मा ने जनपद पंचायत देवास की ग्राम पंचायत बरोठा सहित ग्रामों में जल संवर्धन के लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान दौरान सीईओ जिला पंचायत शर्मा ने पीर बड़ला गौशाला के समीप पहाड़ी क्षेत्र पर 550 कंटूर ट्रेंच खुदाई कार्य का निरीक्षण किया। इन 550 ट्रैंचों के माध्यम से हर साल बारिश के दौरान लगभग 18 लाख लीटर पानी भू-जल स्तर में रिचार्ज होगा, जिससे क्षेत्र के जल संकट में कमी आएगी और भविष्य के लिए जल संग्रहण सुनिश्चित हो

नेशनल लोक अदालत में 607 लंबित प्रकरणों एवं 271 प्रिलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण

नेशनल लोक अदालत में निराकरण कराने पर समय एवं धन की होती है बचत - प्रधान जिला न्यायाधीश

देवास

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास अजय प्रकाश मिश्र के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले के समस्त न्यायालयों में वृहद स्तर पर इस वर्ष की द्वितीय 'नेशनल लोक अदालत' का आयोजन किया गया। अजय प्रकाश मिश्र प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा दीप प्रज्जवलित कर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अजय प्रकाश मिश्र प्रधान जिला न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि नेशनल लोक अदालत प्रकरणों के निराकरण का सरल सुलभ माध्यम है। इसमें समय एवं धन की बचत होती है। उन्होंने न्यायिक अधिकारीगण और अधिवक्तागण को अधिक से अधिक प्रकरणों में राजीनामा कराने के लिए प्रेरित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास के तत्वावधान में आज आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में परिवार न्यायालय, देवास ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। परिवार न्यायालय के न्यायाधीश जितेन्द्र कुशवाह द्वारा आज एकल बैठक में कुल 80 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। लोक अदालत से 30 जोड़े साथ में घर गए। यह संख्या परिवार न्यायालय, देवास के इतिहास में किसी एक लोक अदालत में निराकृत प्रकरणों की सर्वाधिक संख्या है। उल्लेखनीय है कि पारिवारिक विवादों का निराकरण अत्यंत संवेदनशील एवं जटिल प्रक्रिया होती है, जिसमें पक्षकारों के मध्य सहमति बनाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। ऐसे में एक ही दिन में 80 परिवारों को न्याय एवं राहत प्रदान किया जाना न केवल जितेन्द्र कुशवाह की न्यायिक कुशलता एवं अथक परिश्रम का परिचायक है, अपितु उन सभी परिवारों के लिए भी एक नई शुरुआत है जो लंबे समय से विवाद की स्थिति में थे।नेशनल लोक अदालत में सिविल, आपराधिक, विद्युत अधिनियम, एनआईएक्ट, चैक बाउन्स, श्रम मामले, मोटर दुर्घटना दावा, बीएसएनएल आदि विषयक प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला मुख्यालय देवास एवं तहसील स्तर पर सोनकच्छ, कन्नौद, खातेगांव, टोंकखुर्द एवं बागली में 34 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश अजय प्रकाश मिश्र द्वारा विद्युत कंपनी, नगर निगम, बैंक, बीएसएनएल, बीमा कंपनी के स्टॉल पर जाकर तथा खंडपीठों का भ्रमण कर समस्त संबंधित अधिकारीगण को लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में प्रकरण के निराकरण हेतु प्रेरित किया गया। राजीनामा करने वाले पक्षकारगण को स्मृति स्वरूप फलदार और फूलों के पौधे भेंट किये गये एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु प्रेरित किया गया।

पशुपतिनाथ मंदिर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन

मंदसौर। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय द्वारा 11 मई 2026 सोमवार को प्रातः 10 बजे भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के आराधना हाल में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित होंगी तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। यह आयोजन भारत सरकार के संस्कृति विभाग के माध्यम से संपन्न होगा। सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, पुनर्निर्माण तथा गुलामी की मानसिकता को त्यागकर गौरवशाली इतिहास के स्मरण का प्रतीक है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को देश के समृद्ध इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को सशक्त बनाना है। राष्ट्रीय गौरव से प्रेरित किया जाएगा।

पांच साल पुराने चर्चित ऑक्सीजन फ्लो मीटर की कालाबाजारी

धोखाधड़ी के प्रकरण में आरोपी बरी

देवास

कोविड काल वर्ष 2021 में चर्चित रहे कथित ऑक्सीजन फ्लो मीटर कालाबाजारी प्रकरण में माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, देवास भारत सिंह कनेल ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी इरशाद अली को धारा 420 भादवि एवं 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा एवं समस्त आरोपों से दोषमुक्त किया गया।

अधिवक्ता मो. अरशद घोसी की प्रभावी पैरवी से न्यायालय ने कहा - जप्तशुदा ऑक्सिजन फ्लोमीटर मेडिकल यंत्र ही नहीं

न्यायालय ने प्रकरण में जप्तशुदा ऑक्सीजन फ्लोमीटर, रेगुलेटर, पी.यू. पाइप, बोतल एवं आरोपी के आधिपत्य के 76000 रुपये तथा ओप्पो कंपनी का मोबाइल फ़ोन आरोपी को वापस किये जाने के आदेश भी पारित किए।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में पुलिस द्वारा इरशाद अली को गिरफ्तारी कर उस पर ऑक्सीजन फ्लो मीटर एवं संबंधित सामग्री की कथित कालाबाजारी तथा धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए थे।

जिसके संबंध में उस समय समाचार पत्रों में प्रमुखता से खबरें प्रकाशित हुई थीं। दिनांक 4.5.2021 को ऑक्सीजन सिलेंडर में लगने वाला ऑक्सीजन फ्लोमीटर जिसकी कीमत बाज़ार में लगभग 900 से 1200 रुपए है, जिसे अवैध रूप से ऊंचे दामों में 3500 से 4000 रुपये में बेचकर अवैध लाभ अर्जित करने का आरोप आरोपी पर रहा। जिसका प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। एडवोकेट मो. अरशद घोसी की विस्तृत पैरवी द्वारा न्यायालय ने आरोपी को दोषमुक्त किया।

लक्ष्य पोटदार ने रचा सफलता का इतिहास

यूरीमास एसएलसी 2026 में प्रदेश में चौथा स्थान

देवास

यूसीमास कालानी बाग, देवास के प्रतिभाशाली छात्र लक्ष्य पोटदार ने लगातार शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता की हैट्रिक बनाई है। हाल ही में आयोजित यूसीमास एसएलसी 2026 में लक्ष्य ने संपूर्ण मध्यप्रदेश में चतुर्थ रनर-अप स्थान प्राप्त कर जिले को गौरवान्वित किया। इससे पहले लक्ष्य ने एसएलसी 2025 में प्रथम रनर-अप तथा राज्य स्तरीय मेंटल लिसनिंग प्रतियोगिता में द्वितीय रनर-अप स्थान प्राप्त किया था। लगातार तीन बड़ी उपलब्धियां हासिल कर लक्ष्य ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और एकाग्रता का उत्कृष्ट परिचय दिया है। इस अवसर पर यूसीमास कालानी बाग, देवास की डायरेक्टर सोनल अग्रवाल ने लक्ष्य को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, आज लक्ष्य पर केवल मुझे या उनके माता-पिता को ही नहीं, बल्कि पूरे देवास शहर को गर्व है। लक्ष्य की मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास सभी बच्चों के लिए प्रेरणा है। हमें विश्वास है कि वह आगे भी इसी तरह सफलता प्राप्त कर जिले का नाम रोशन करते रहेंगे। लक्ष्य की इस उपलब्धि पर परिवारजनों, शिक्षकों एवं शहरवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

रजत जयंती वर्ष में सजा मालवा

मंदसौर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मालवा उत्सव केवल एक मेला नहीं, बल्कि मेल-मिलाप, आत्मीयता और सांस्कृतिक एकता का मंच है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव आज अपनी रजत जयंती मना रहा है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों से आए कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से देश की सांस्कृतिक विविधता को एकता के सूत्र में पिरो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को इंदौर में लोक संस्कृति मंच द्वारा आयोजित मालवा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मालवा उत्सव के उत्साहपूर्ण माहौल का उल्लेख करते हुए कहा कि भांगड़ा, गरबा और अन्य लोक नृत्यों की प्रस्तुतियों ने ऐसा वातावरण बना दिया मानो स्वर्ग धरती पर उतर आया हो।

राहगीर अभियान के अंतर्गत

किसानों ने अतिक्रमण मुक्त करने के लिए 1 लाख 25 हजार रुपए की राशि जन सहयोग से एकत्रित की

मंदसौर

गरोठ एसडीएम राहुल चौहान द्वारा बताया गया कि कलेक्टर अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे राहगीर अभियान के अंतर्गत ग्राम बनी में किसानों ने अपने खेतों पर जाने के लिए उपयोग में आने वाले कच्चे रास्ते को जनभागीदारी के माध्यम से रास्तों से झाड़ियां हटाकर, समतलिकरण किया गया और मुरम डालकर रास्ते को आवागमन हेतु सुगम बनाया गया इसके लिए किसानों ने ग्राम बनी से बाघच्या और ग्राम बनी से अजयपुर सीमा तक के रास्तों से 1, 25,000 रुपए की सहयोग राशि एकत्रित कर अभियान के अंतर्गत रास्तों को बारहमासी बनाने के राजस्व विभाग के प्रयास में सहयोग प्रदान किया गया।

एसडीएम राहुल चौहान ने ग्राम बनी के किसानों के साथ अभियान के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया साथ ही मौके पर उपस्थित किसानों से चर्चा की गई और नायब तहसीलदार शामगढ़ भीमसिंह खराड़ी को अधिक से अधिक किसानों को इस अभियान में जुड़ने के लिए भ्रमण करने के निर्देश दिए गए और बचे रास्ते को जल्द से जल्द अतिक्रमण मुक्त करने के लिए किसानों को अभियान के बारे में प्रचार करने के लिए बैठके करने को कहीं गया। भानपुरा तहसील के गांव कुकड़ेश्वर में तहसीलदार विनोद शर्मा के द्वारा किसानों से अभियान से संबंध में चर्चा की गई और मौके पर जाकर जन सहयोग से रास्ते से अतिक्रमण को हटाया गया।

वही ग्राम आंकी में किसानों के साथ बैठक की और राजगीर के अभियान के बारे में बताया गया और स्वेच्छा से रास्तो से अतिक्रमण हटाने की समझाइए दी गई

गरोठ उपखंड के सभी किसान से राजस्व विभाग की ओर से एसडीएम चौहान ने अपील की है कि जिला कलेक्टर अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे अभियान में सभी किसान सहयोग करें और खेतों पर जाने के लिए उपयोग में आने वाले रास्तों से अतिक्रमण हटाए ताकि रास्ते सरल और सुगम बनाए जा सके जिससे की किसान बारिस के समय भी खेतों पर बिना किसी परेशानी के आ जा सके।

कचरा विवाद ने लिया हिंसक रूप

नई आबादी में पेट्रोल बम से बाइक फूंकी

देवास

शहर के नई आबादी क्षेत्र में शनिवार देर रात पेट्रोल बम फेंककर बाइक में आग लगाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस घटना में बाइक पूरी तरह जल गई, वहीं पास में रखा एक ठेला भी आग की चपेट में आ गया।

पूरी वारदात इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 1:30 बजे तीन अज्ञात युवक बाइक पर सवार होकर रवि सेनिया के घर के सामने पहुंचे और खड़ी बाइक पर जलता हुआ पेट्रोल बम फेंक दिया।

आग लगते ही घर के लोग बाहर आए और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुके थे। पीड़ित रवि सेनिया ने बताया कि शनिवार सुबह नगर निगम की कचरा गाड़ी पर काम करने वाले कर्मचारियों से कचरा डालने और वाहन की ऊंचाई को लेकर विवाद हुआ था। उस दौरान आरोपियों ने उन्हें धमकी देते हुए देख लेने की बात कही थी। बाद में नगर निगम के कुछ लोगों ने मामला शांत करवा दिया था। रवि के मुताबिक, रात में जब वह घर पर खाना खा रहे थे, तभी उन्होंने खिड़की से बाहर आग की लपटें देखीं। बाहर निकलने पर पता चला कि उनकी बाइक जल रही है।

रवि सेनिया ने बताया कि घर के बाहर दो बाइक खड़ी थीं। एक बाइक आग की चपेट में आकर पूरी तरह जल गई, जबकि दूसरी बाइक बाल-बाल बच गई। उन्होंने कहा कि दूसरी बाइक में पेट्रोल टैंक फुल था, यदि उसमें आग लग जाती तो बड़ा धमाका हो सकता था। घटना की सूचना मिलने के बाद रविवार दोपहर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने रवि सेनिया की शिकायत पर शुभम, लक्की सहित एक अन्य अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

परीक्षा केंद्रों में लापरवाही में 3 पर्यवेक्षकों को निलम्बित किया और 3 केंद्राध्यक्ष

सहायक केंद्राध्यक्षों 2-2 वेतन वृद्धि रोकी

देवास

प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी देवास ने बताया कि 9 मई को आयोजित कक्षा 12वीं की।

रसायनशास्त्र विषय की परीक्षा में परीक्षा केंद्र राधाबाई ठ मा वी देवास के कक्ष क्रमांक 1 में छात्र के द्वारा मोबाइल से नकल करने का प्रयास किया गया जिसे विकासखंड स्तरीय दल के द्वारा जप्त कर पंचनामा बनाया गया तथा नकल प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

कक्ष पर्यवेक्षक समंदर सिंह एरवाल को कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्र द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया और केंद्राध्यक्ष मनोहर सोलंकी तथा सहायक केंद्राध्यक्ष राकेश मुजाल्दा 2 वेतन वृद्धि रोकने के प्रस्ताव का कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

इसी प्रकार सीसीटीवी जिला कंट्रोल रूम में यह पाया गया कि टोंकखुर्द विकासखंड के दो परीक्षा केंद्रों में उत्कृष्ट टोंकखुर्द तथा अशासकीय शाला एमिनेन्स में छात्र परस्पर बातचीत करते एवं उत्तर पुस्तिका बदलते पाए गए।

जिससे उत्कृष्ट टोंकखुर्द के कक्ष क्रमांक 8 के पर्यवेक्षक रेणुका कुशवाहा प्राथमिक शिक्षक को निलंबित किया गया और केंद्राध्यक्ष पुरुषोत्तम सिसोदिया तथा सहायक केंद्राध्यक्ष लखन सिंह परमार को 2 वेतनवृद्धि रोकने का शोकाज नोटिस जारी किया गया। अशासकीय शाला एमिनेन्स के कक्ष 3 के पर्यवेक्षक नरेन्द्र कुमार जोझा को निलंबित किया गया तथा केंद्राध्यक्ष हेमचंद्र आर्य और सहायक केंद्राध्यक्ष कविता चौरसिया को 2 वेतन वृद्धि रोकने का शोकाज नोटिस जारी किया गया।

कलेक्टर सिंह के द्वारा परीक्षा की सुचारू रूप से संचालन के लिए निरीक्षण दालों का गठन किया गया है तथा जिले के समस्त 16 परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कमरे लगाए गए है। जिनकी सतत निगरानी माशिमं भोपाल, संयुक्त संचालक कार्यालय उज्जैन और जिला कंट्रोल रूम द्वारा की जा रही है।

संपूर्ण क्षेत्र में नलकूप खनन पर 31 जुलाई तक प्रतिबंध

मंदसौर। कलेक्टर अदिती गर्ग ने मध्य प्रदेश पेयजल परिक्षण अधिनियम 1986 की धारा 3 संशोधित अधिनियम 2002 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा 3 के अंतर्गत सम्पूर्ण जिले में अशासकीय व निजी नलकूप खनन करने पर 31 जुलाई 2026 तक प्रतिबंध लगाया गया है।

मंदसौर जिले में कोई भी व्यक्ति बिना अनुज्ञा के नलकूप खनन नहीं कर सकेगा। जो व्यक्ति इस आदेश का उल्लंघन करेगा वह अधिनियम की धारा -3 या धारा -4 के उपबंध का उल्लंघन करने पर दो हजार रू के जुर्माने तथा दो वर्ष तक के कारावास या दोनों से दण्डित किया गया जायेगा।

शासकीय योजना के अंतर्गत किये जाने वाले नलकूप उत्खनन पर यह आदेश लागू नहीं होगा। इस हेतु अनुज्ञा प्राप्त किया जाना आवश्यक नहीं होगा।

फटाफट खबरें

शोभायात्रा में झड़प के बाद हापुड़ में तनाव

हापुड़,(ईएमएस)। धौलाना क्षेत्र में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर निकाली जा रही शोभायात्रा के दौरान दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। साठा चौरासी क्षेत्र के गांव देहरा में शोभायात्रा के समाप्त के वक्त एक दुकान पर गुटखा लेने और मामूली टिप्पणी को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बड़े बवाल में बदल गया। आमने-सामने आए दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव और मारपीट हुई, जिसमें एक दरोगा समेत सात लोग घायल हो गए। घायलों में एक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद शुरू होते ही भारी भीड़ जमा हो गई और छतों से पत्थरबाजी होने लगी। उपद्रवियों ने न केवल सड़क पर बवाल किया, बल्कि घरों और दुकानों में घुसकर भी तोड़फोड़ की। इस दौरान कई वाहनों को निशाना बनाया गया और जमकर उत्पात मचाया गया।

परीक्षा केंद्र में 'रिमोट एक्सेस' वाला खेल

रांची (ईएमएस)। राजधानी के पंडरा थाना क्षेत्र स्थित प्यूपरिस्टिक ऑनलाइन परीक्षा केंद्र में एसएसपी जीडी कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान तकनीकी धांधली का एक बड़ा मामला सामने आया है। पुलिस ने रिमोट एक्सेस तकनीक के जरिए प्रश्न पत्र हल कराने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में ऋषिकेश और राहुल सहित पांच अभ्यर्थी बिहार के रहने वाले हैं, जबकि एक अभ्यर्थी कोडरमा का निवासी है। फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब परीक्षा की पहली पाली के दौरान ड्यूटी पर तैनात इन्विजिलेटर को कुछ अभ्यर्थियों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उन्होंने गौर किया कि छह अभ्यर्थी शारीरिक रूप से केवल अपनी कंप्यूटर स्क्रीन की ओर देख रहे थे, जबकि उनके प्रश्न स्वतः ही हल होते जा रहे थे।

भूसे की आड़ में डोडा की तस्करी

खूंटी, (ईएमएस)। गुमला जिले के सीमावर्ती रनिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में भाल्टोली के पास से एक ट्रक से 50 बोरा डोडा (अफीम का अवशेष) जब्त किया गया। तस्करों ने पुलिस की आंखों में धूल झोंकने के लिए ट्रक में डोडा के बोरों को नीचे छिपाकर रखा था और उनके ऊपर भारी मात्रा में भूसा लाद दिया था, ताकि सामान्य जांच में किसी को शक न हो। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के बाद तोरपा एसडीपीओ के नेतृत्व में रनिया थाना प्रभारी से पुलिस बल के साथ रविवार सुबह करीब 4 बजे छापेमारी की। झारिडीह के पास खड़े संदिग्ध ट्रक की तलाशी लेने पर ऊपर भूसा मिला, लेकिन जब उसे हटाया गया तो नीचे छिपाकर रखी गई अवैध डोडा की खेप बरामद हुई।

जनगणना में 'सरना कॉलम' न होने पर भड़के आदिवासी संगठन

रांची (ईएमएस)। आगामी जनगणना में 'सरना धर्म कोड' के लिए अलग कॉलम शामिल न किए जाने के फैसले ने आदिवासी समुदायों के बीच भारी असंतोष पैदा कर दिया है। रांची के करमटोली स्थित केंद्रीय धुमकुड़िया सभागार में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विभिन्न आदिवासी संगठनों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार के इस रुख की कड़ी निंदा की। आदिवासी नेताओं ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि जनगणना से अलग धार्मिक पहचान का विकल्प हटाना आदिवासियों के अस्तित्व और उनकी विशिष्ट संस्कृति को कमजोर करने की एक सोची-समझी कोशिश है।

शेख हसीना ने बंगाल के सीएम सुवेंदु को दी बधाई

जम्मू, (ईएमएस)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सीएम के रूप में शपथ लेने वाले सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी। बांग्लादेश अवामी लीग ने भी एक पत्र साझा कर अधिकारी को बधाई दी। पत्र में अवामी लीग पार्टी ने अपने संदेश में, पश्चिम बंगाल के नव मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। हसीना ने आशा व्यक्त की कि उनके सक्षम नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास और भी तीव्र होगा और बांग्लादेश और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रता और सहयोग के संबंध और मजबूत होंगे।

विजय की शपथ के साथ ही तमिलनाडु में नए युग की शुरुआत

सुपर स्टार से जननायक बने विजय

चेन्नई(ईएमएस)। तमिलनाडु की राजनीति में रविवार को एक ऐतिहासिक बदलाव देखा गया, जब तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय के मुख्यमंत्री बनते ही राज्य की राजनीति में बीते छह दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईडीएमके के दबदबे का अंत हो गया है। जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में विजय के साथ उनके मंत्रिमंडल के नौ अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली।

इनमें एन. आनंद, आधव अर्जुन, केजी अरुण राज, केए. सेंगोट्टैयन, पी. वेंकेटरामनन, आर. निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टी.के. प्रभु और सेल्वी एस. कीर्तना शामिल हैं। कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित देश के कई दिग्गज राजनेता और फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं। स्टेडियम की पहली पंक्ति में विजय के माता-पिता, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के साथ-साथ अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन और उनकी माता के लिए विशेष स्थान आरक्षित था। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच हजारों समर्थकों की मौजूदगी में यह समारोह संपन्न हुआ। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई।

कांग्रेस, सीपीआई और सीपीआई (एम) के समर्थन के साथ टीवीके गठबंधन को कुल 120 विधायकों का साथ मिला। विजय ने शनिवार रात राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर सहयोगी दलों के समर्थन पत्र सौंपे थे।

विजय के शपथ ग्रहण में पहुंचीं फिल्मी हस्तियां-दिग्गज नेता

अभिनेता से राजनेता बने सी जोसेफ विजय रविवार को तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ लेंगे। इस ऐतिहासिक मौके के लिए चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में भव्य तैयारियां की गई। पूरे शहर में इस समारोह को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। विजय के समर्थकों के साथ-साथ फिल्म और राजनीतिक जगत की कई बड़ी हस्तियां भी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। स्टेडियम और उसके आसपास भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था। आने-जाने वाले वाहनों की सख्ती से जांच की गई। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले खास मेहमानों के लिए स्टेडियम में बैठने की खास व्यवस्था की गई थी। सबसे आगे की लाइन में विजय के माता-पिता, महबूब फिल्म निर्देशक एस ए चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के लिए सीटें आरक्षित थी। इसके अलावा अभिनेत्री तृषा कृष्णन और उनकी मां को भी उसी लाइन में बैठाया गया था। समारोह शुरू होने से पहले एक ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने वहां मौजूद लोगों और टीवी चैनलों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

डीएमके के सहयोगी दलों की मदद से विजय बने तमिलनाडु के सीएम : सरवनन

डीएमके के प्रमुख एमके स्टालिन ने अपने सहयोगी दलों को तमिलगा वेट्ट्री कड़गम (टीवीके) के साथ हाथ मिलाने के लिए मनाया है, जिसके बाद अभिनेता से राजनेता बने विजय तमिलनाडु के सीएम का शपथ ली। डीएमके प्रवक्ता ए सरवनन ने इसका दावा किया है। सरवनन ने कहा कि तमिलनाडु के नए सीएम विजय को बधाई। उन्होंने डीएमके के सहयोगी दलों की मदद से सीएम पद हासिल किया है। हमारे लेता स्टालिन संवैधानिक संकट नहीं चाहते थे, इसलिए उन्होंने विस्तृत विचार-विमर्श के बाद सहयोगी दलों को टीवीके के साथ हाथ मिलाने के लिए राजी किया।

अब एक और आप विधायक विवादों में....

युवक ने लगाए नौकरी का झांसा देकर पैसे लेने के आरोप

चंडीगढ़,(ईएमएस)। लुधियाना से आम आदमी पार्टी के विधायक अशोक कुमार पाराशर विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। फर्जी नौकरियों के लगे आरोपों में घिरा युवक निखिल सभ्रवाल मीडिया के सामने आया। निखिल ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। जबकि नौकरियों का झांसा देकर लोगों को जितने भी पैसे लिए जाते थे वह विधायक पाराशर को दिए जाते थे।

मीडिया के सामने आए निखिल ने बताया कि जब उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तो उसे मजबूरन मीडिया के सामने आना पड़ा। उसे नकली पीए बोलकर 2 साल बाद मामला दर्ज करवा दिया गया है। विधायक उसे 13 हजार रुपए देते थे। जितने भी उलटे सीधे काम होते थे उससे करवाते थे। जेब खर्च पानी के लिए 5-6 हजार देते थे। निखिल ने कहा कि क्या पहले ये लोग सो रहे थे, अब इन्हें याद आ गई। मेरे उपर आरोप लगाए गए हैं, नकली पीए है। उसने कहा कि मेरा आईडी कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम चेक कर सकते हैं। मेरी वीडियो और तस्वीरें चेक कर लें। युवक ने कहा कि वह अशोक पाराशर पप्पी का पीए है। उसका ऑफिस इंचार्ज का आईकार्ड बना हुआ है।

जब 2022 में वह विधायक बने तब से उनके साथ काम कर रहा हूं। उसे प्राइवेट रखा हुआ था। युवक निखिल ने बताया कि, विधायक के दफ्तर का सारा काम वह करता था।

सुप्रिया सुले की कार को दूसरे वाहन ने बगल से टक्कर मारी

मुंबई(ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले शनिवार को एक सड़क हादसे का शिकार होने से बाल-बाल बच गईं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार वाहन ने उनकी कार को बगल से टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस घटना में सुप्रिया सुले और उनके साथ मौजूद सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस भयावह अनुभव को साझा करते हुए बताया कि पुणे से मुंबई आते समय गुजरात पंजीकरण नंबर वाले एक वाहन ने लापरवाही से उनकी कार को टक्कर मारी।

उन्होंने वाहन की नंबर प्लेट साझा करते हुए ड्राइवरों से सीट बेल्ट पहनने और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने की अपील की। उन्होंने कहा, तेज गति और लापरवाही जानलेवा हो सकती है, यह घटना हम सभी के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

केरल में कांग्रेस की जीत के बाद सीएम पद के लिए रार

तिरुवनंतपुरम(ईएमएस)। केरल में वामपंथी लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) के 10 साल के शासन को उखाड़ फेंकने के बाद कांग्रेस गठबंधन (यूडीएफ) सत्ता में वापसी तो कर चुका है, लेकिन पार्टी के भीतर उफन से ज्यादा मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पद के लिए तीन दिग्गजों—वीडी सतीशन, रमेश चेन्निथला और केसी वेणुगोपाल के बीच छिड़ी यह जंग अब सड़कों तक पहुंच गई है। शनिवार को केरल कांग्रेस के तमाम बड़े नेता दिल्ली में डेरा डाले रहे, जहां आलाकमान के साथ बैठकों का दौर जारी रहा। माना जा रहा है कि अगले 24 घंटों में केरल के नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लग जाएगी। सत्ता की यह होड़ उस समय विवादित हो गई जब इडुक्की तक समर्थकों ने अपने-अपने पसंदीदा नेताओं के पक्ष में पोस्टर युद्ध छेड़ दिया।

फर्जी निर्यात के गलत, एक्सपोर्ट से प्राप्त राशि वैध बैंकिंग से की

कंपनी ने ईडी के आरोपों पर पहली बार रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा से जुड़ी कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड ने ईडी की जांच और लगाए गए आरोपों पर पहली बार अपना पक्ष रखा। कंपनी ने एक आधिकारिक प्रेस बयान जारी कर कहा कि उसे देश की न्यायपालिका और कानूनी प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और वह जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। कंपनी ने अपने बयान में मोबाइल एक्सपोर्ट कारोबार को लेकर कई अहम दावे किए हैं।

हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के मुताबिक उसने मई 2023 में मोबाइल फोन एक्सपोर्ट बिजनेस की शुरुआत की थी। कंपनी ने कहा कि भारत सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल और पीएलआई योजना के तहत मोबाइल निर्माण और निर्यात को बढ़ावा मिला, जिसके चलते उसने इस सेक्टर मी कदम रखा। कंपनी ने यह भी कहा कि संयुक्त अरब अमीरात भारतीय मोबाइल एक्सपोर्ट के लिए एक बड़ा और अहम बाजार है। कंपनी का दावा है कि उसने कुल 44,471 असली मोबाइल फोन और एक्सेसरीज का एक्सपोर्ट किया। इनमें एप्पल आईफोन, एयरपॉड्स, सैमसंग और वनप्लस जैसे बड़े ब्रांड्स के डिवाइस शामिल थे।

कंपनी ने आईएमईआई सत्यापन का भी दिया हवाला

कंपनी के मुताबिक सभी शिपमेंट को कस्टम क्लीयरेंस और ओईएम वेरिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा था। अपने दावों को मजबूत करते हुए कंपनी ने आईएमईआई सत्यापन का भी हवाला दिया। बयान में कहा गया है कि हर मोबाइल फोन का यूनिक आईएमईआई नंबर सत्यापित किया गया था। कंपनी के मुताबिक एप्पल और सैमसंग जैसी कंपनियों ने एक्सपोर्टेड डिवाइस के असली आईएमईआई नंबर माना। इतना ही नहीं, कंपनी ने दावा किया कि ये सभी फोन विदेश पहुंचने के बाद एक्टिवेट भी हुए। हैम्पटन स्काई रियल्टी ने अपने ऊपर लगे फर्जी निर्यात और राउंड-ट्रिपिंग जैसे आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। कंपनी ने कहा कि एक्सपोर्ट से प्राप्त पूरी राशि वैध बैंकिंग के जरिए जारी आई थी।

रनवे पर टेकऑफ करते समय टकराया विमान, लगी आग

सभी यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइड से बाहर निकाला

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के डेनवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर एक विमान टेकऑफ के दौरान रनवे पर मौजूद एक पैदल व्यक्ति से टकरा गया। हादसे के बाद विमान के इंजन में आग लग गई और यात्रियों को इमरजेंसी स्लाइड से बाहर निकाला गया। यह घटना शुक्रवार देर रात को हुई। विमान डेनवर से लॉस एंजिल्स अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर जा रहा था। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक टेकऑफ के दौरान पायलट ने कंट्रोल टावर को बताया कि हम रनवे पर रुक रहे हैं... हमने किसी को टक्कर मार दी है...इंजन में आग लगी है।

» सुरक्षा एजेंसियां मामले की कर रहीं जांच

पायलट ने यह भी बताया कि विमान में कुल 231 लोग सवार थे। ऑडियो रिकॉर्डिंग में पायलट ने कहा कि एक व्यक्ति रनवे पार कर रहा था, तभी यह हादसा हुआ। इसके बाद विमान के अंदर धुआं भरने लगा और तुरंत इमरजेंसी ड्रीवेक्युएशन शुरू कर दिया गया। एयरलाइन ने बताया कि यह एयरबस ए321 विमान था, जिसमें 224 यात्री और 7 क्रू सदस्य मौजूद थे। सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। फिलहाल किसी यात्री के गंभीर रूप से घायल होने की जानकारी नहीं है। हालांकि जिस पैदल व्यक्ति को टक्कर लगी, उसकी हालत को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

पुतिन का दावा- ईरान के परमाणु हथियार बनाने का प्रमाण नहीं

मॉस्को,(ईएमएस)। रूस में विक्ट्री डे परेड के समापन के तुरंत बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात पर एक अत्यंत महत्वपूर्ण बयान दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य टकराव और हालिया हमलों के बीच पुतिन ने वाशिंगटन के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रूसी राष्ट्रपति ने स्पष्ट रूप से कहा कि ईरान के खिलाफ की जा रही कार्रवाइयों के पीछे परमाणु हथियारों का तर्क दिया जा रहा है, अब तक ऐसा कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आया है जो यह साबित करे कि तेहरान परमाणु हथियार विकसित कर रहा है।

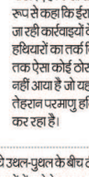

यूक्रेन में राहतकर्मी रुसी मिसाइल हमले में ध्वस्त एक थर्मल पॉवर प्लांट में पड़े मलबे को हटाते हुए। -फोटो-ईएमएस

हार के बाद भाजपा को हराने साझा मंच बनाने निकलीं ममता

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद राज्य की राजनीति में मचे उथल-पुथल के बीच टीएमसी की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। राज्य की सत्ता भाजपा के हाथों में जाने के बाद अब ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है। शनिवार को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी भाजपा विरोधी ताकतों को एक 'साझा मंच' पर आने का आह्वान किया।

हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

कोलकाता,(ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोजगार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है। जनता को पहले ही विश्वास हो गया था कि बीजेपी ही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है।

महाभियोग की आशंका : रामाफोसा ने सफाई में कहा यह रकम भैंसों की बिक्री से प्राप्त हुई

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सोफे में छिपे डालर मामले में घिरे

केपटाउन,(ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा एक बार फिर चर्चित 'फाला-फाला' घोटाले को लेकर संकट में घिर गए हैं। कोर्ट ने इस मामले में पुरानी कानूनी कार्रवाई को दोबारा शुरू करने का आदेश दिया है, जिसके बाद उनके खिलाफ महाभियोग की आशंका जताई जा रही है। दो बार राष्ट्रपति रह चुके रामाफोसा पहले भी भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर चुके हैं, लेकिन फार्महाउस में सोफे के अंदर छिपाकर रखे लाखों डॉलर की चोरी ने इस मामले को दुनिया के सबसे चर्चित राजनीतिक विवादों में शामिल कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला 2020 का है, जब रामाफोसा के

लिम्पोपो प्रांत स्थित 'फाला-फाला' वन्यजीव फार्महाउस में चोरी हुई थी। आरोप है कि चोरों ने सोफे में छिपाकर रखी करीब 5 लाख 80 हजार डॉलर चुरा लिए थे। शुरुआत में इस घटना को सार्वजनिक नहीं किया गया, लेकिन बाद में मामला सामने आने पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खुफिया प्रमुख आर्थर फ्रेजर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया कि राष्ट्रपति के फार्महाउस से भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा चोरी हुई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक रामाफोसा ने सफाई देते हुए कहा कि यह रकम भैंसों की बिक्री से प्राप्त हुई थी और पूरी तरह वैध व्यापारिक लेन-देन का हिस्सा थी। उन्होंने बताया कि सूडानी व्यापारी मुस्तफा मोहम्मद इब्राहिम के साथ हुए सौदे से यह धन मिला था। हालांकि सबसे बड़ा सवाल यही रहा कि इतनी बड़ी रकम बैंक या तिजोरी में रखने के बजाय सोफे के अंदर क्यों छिपाई।

मामले को दबाने की कोशिश की

राष्ट्रपति पक्ष ने दावा किया कि सुरक्षा कारणों से उनके प्रबंधक ने नकदी यहां रखी थी। मामले ने तब और तूल पकड़ लिया जब आरोप लगे कि चोरी की आधिकारिक सूचना पुलिस को नहीं दी गई। विपक्षी दलों का कहना है कि यह विदेशी मुद्रा नियमों, टैक्स कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है। आरोप यह भी लगे कि राष्ट्रपति के निजी सुरक्षा कर्मियों ने संदिग्ध चोरों का पीछा करते हुए नामीबिया तक कार्रवाई की और मामले को दबाने की कोशिश की। इस दौरान कई संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया। हालांकि संसद में रामाफोसा की पार्टी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के पास बहुमत होने के कारण अब तक उन्हें राहत मिली हुई है।

अर्शदीप के रील्स बनाने पर लगी रोक

बीसीसीआई की सख्ती के बाद खिलाड़ियों को नियमों की जानकारी देगी पंजाब किंग्स

■ मुम्बई (ईएमएस)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिस प्रकार से पंजाब किंग्स के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की रील्स को लेकर नाराजगी जताई है। उससे साफ है कि अर्शदीप के खिलाफ इस मामले में बोर्ड कारवाई भी कर सकता है। इसी को लेकर अब पंजाब किंग्स टीम भी अपने खिलाड़ियों के साथ धर्मशाला में एक बैठक करने जा रही है। इस बैठक में बोर्ड के नए नियमों की जानकारी खिलाड़ियों को दी जाएगी। फ्रेंचाइजी इन नियमों के पालन को लेकर खिलाड़ियों और टीम अन्य सदस्यों से भी लिखित में लिया जाएगा। यह कदम विशेष रूप से सोशल मीडिया पर सक्रिय खिलाड़ियों की गतिविधियों को नियमित करने की दिशा में एक बड़ा प्रयास होगा।

वहीं पंजाब किंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) भी अभ्यास सत्र के तत्काल बाद खिलाड़ियों से मिलेंगे और उन्हें बीसीसीआई द्वारा निर्धारित सभी नियमों को पढ़कर सुनाएंगे। यह साफ किया गया है कि किसी भी खिलाड़ी के खिलाफ विशेष रूप से इस नियम का प्रयोग नहीं किया गया है। इसके विपरीत सभी खिलाड़ियों से नियमों का सम्मान और सख्ती को कहा गया है। इस नई व्यवस्था के तहत, पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों से संबंधित किसी भी वीडियो या सोशल मीडिया कंटेंट को अब केवल फ्रेंचाइजी के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से ही बनाया और जारी किया जा सकेगा। यह बदलाव तेज गेंदबाज अर्शदीप जैसे खिलाड़ियों के लिए काफी मायने रखता है, जो सोशल मीडिया पर अपनी जबरदस्त मौजूदगी के लिए जाने जाते हैं। सोशल मीडिया पर उनके 60 लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं और वे अक्सर अपने रील्स और व्लॉग्स के माध्यम से प्रशंसकों के साथ जुड़े रहते हैं। माना जा रहा है कि उनकी बढ़ती हुई डिजिटल लोकप्रियता और सक्रियता ने बीसीसीआई और टीम प्रबंधन दोनों का ध्यान ध्यान खींचा है। जिससे यह नियम और भी प्रासंगिक हो गया है। अब अर्शदीप और अन्य खिलाड़ियों को अपने व्यक्तिगत कंटेंट क्रिएशन पर नियंत्रण रखना होगा।

गौरतलब है कि बोर्ड ने हाल ही में अपनी भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) के जरिये से आईपीएल फ्रेंचाइजी को कई गंभीर मामलों पर चेतावनी देते हुए नए नियम जारी किए थे। इन नियमों में टीम होटलों में अनाधिकृत मेहमानों की आवाजाही पर रोक, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ खिलाड़ियों की बढ़ती नजदीकी, और टीम के प्रतिबंधित क्षेत्रों में कंटेंट बनाने पर पूर्ण प्रतिबंध शामिल है। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, अब किसी भी मेहमान को खिलाड़ियों या अधिकारियों के कमरों में जाने के लिए टीम मैनेजर की लिखित अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

फ्रेंचाइजी को खिलाड़ियों की गतिविधियों पर पैनी नजर रखने और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया है। पंजाब किंग्स बीसीसीआई द्वारा निर्धारित 48 घंटे की समय सीमा के भीतर इन नए और व्यापक नियमों को अपने खिलाड़ियों तक पहुंचा रहा है। यह दिखाता है कि फ्रेंचाइजी इन निर्देशों को कितनी गंभीरता से ले रही है।

चहल को ई-सिगरेट सेवन के लिए होनी चाहिये जेल : शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली (ईएमएस)। पूर्व भारतीय स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल के डग्गन के दौरान ई सिगरेट (वेप) का सेवन करने को लेकर कड़ी फटकार लगायी है। शिवरामकृष्णन के अनुसार इस प्रकार के गलत काम के लिए चहल पर जुर्माना ही काफी नहीं होगा। उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिये। शिवरामकृष्णन ने इस मामले को लेकर चहल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है।

चहल पर हैदराबाद की फ्लाइट में वेप सेवन का आरोप है। इसका एक वीडियो भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने जारी किया था। चहल आईपीएल 2026 के दौरान वेप का सेवन करने के मामले में फंसे दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग भी पंजाब किंग्स के ड्रेसिंग रूम में वेप का सेवन करते पकड़े गये थे। इस कारण उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगा था पर शिवरामकृष्णन का मानना है कि चहल का मामला अलग है उन्होंने लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाला है उन्हें इसके लिए जेल भेजा जाए। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया में लिखा, भारत में वेप पर प्रतिबंध है। उन्हें जेल में होना चाहिए। कानून बनाकर अगर उन्हें लागू नहीं किया जाए तो उसका क्या लाभ।

क्रिकेट से ज्यादा अपनी प्रेम कहानी के लिए चर्चित रहे अतुल वासन

स्कूल के प्यार को बनाया जीवनसाथी

■ नई दिल्ली (ईएमएस)।

क्रिकेट के इतिहास में कई ऐसे खिलाड़ी हुए जिन्होंने अपनी प्रतिभा से लोगों का ध्यान खींचा, लेकिन उनका अंतरराष्ट्रीय करियर ज्यादा लंबा नहीं चल सका। पूर्व तेज गेंदबाज अतुल वासन भी ऐसे ही खिलाड़ियों में शामिल हैं। आज की पीढ़ी उन्हें क्रिकेट कमेंटेटर और विश्लेषक के रूप में पहचानती है, लेकिन 1990 के दशक की शुरुआत में वह अपनी तेज गेंदबाजी, स्विंग और निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहे थे। क्रिकेट के मैदान पर उनका सफर भले ही छोटा रहा, लेकिन उनकी प्रेम कहानी आज भी लोगों के बीच मिसाल की तरह याद की जाती है। दिल्ली के वसंत विहार में स्थित गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान ही अतुल वासन की क्रिकेट प्रतिभा सामने आने लगी थी। इसी दौरान उनकी मुलाकात सोनू से हुई, जो बाद में उनकी जीवनसंगिनी बनीं। स्कूल के दिनों में शुरू हुआ यह रिश्ता समय के साथ और मजबूत होता गया। अतुल वासन के करीबी बताते हैं कि वह शुरू से ही दो चीजों के दीवाने थे, क्रिकेट और सोनू। किशोरावस्था में शुरू हुआ यह प्यार आगे चलकर शादी तक पहुंचा और सोनू हर मुश्किल दौर में उनके साथ खड़ी रहीं।

अतुल वासन का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर बहुत छोटा रहा। उन्होंने भारत के लिए 1990 से 1991 के बीच केवल चार टेस्ट और नौ एकदिवसीय मुकाबले खेले। हालांकि कम समय में भी उन्होंने अपनी गेंदबाजी से प्रभाव छोड़ा। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 10 विकेट हासिल किए, जिसमें न्यूजीलैंड के खिलाफ क्राइस्टचर्च टेस्ट में एक पारी में 108 रन देकर चार विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट में उन्होंने नौ मैचों में 11 विकेट लिए और उनकी इकॉनमी रेट 3.98 रही, जिसे उस दौर में काफी शानदार माना जाता था। अतुल वासन सिर्फ गेंदबाज ही नहीं, बल्कि उपयोगी बल्लेबाज भी थे। 1990 में ऑकलैंड टेस्ट के दौरान उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 53 रन की अहम पा खेली थी। घरेलू क्रिकेट में भी उनक रिकॉर्ड शानदार रहा। प्रथम श्रे क्रिकेट में उन्होंने 1300 से ज्या रन बनाए और दो शतक भी लगा इसके अलावा उनके नाम 29 विकेट दर्ज हैं, जो उनकी प्रतिभा क बड़ा प्रमाण माने जाते हैं।

इतनी अच्छी शुरुआत बावजूद उनका करियर जल्द ख हो गया। उस समय खिलाड़ियों लिए आधुनिक फिटनेस अ रिकवरी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थ चोट के बाद जल्द वापसी कोशिश में उनकी गेंदबाजी की ध कम होती चली गई। साथ ही उस द में भारतीय टीम में तेज गेंदबाजों लिए सीमित मौके होते थे, जिस प्रतिस्पर्धा और कठिन हो जाती थ हालांकि क्रिकेट में उनकी पारी छो रही, लेकिन निजी जिंदगी में उन रिश्ता बेहद सफल साबित हुआ अतुल और सोनू की प्रेम कहा किसी फिल्मी कहानी जैसी नह बल्कि सादगी और भरोसे पर टि एक सच्ची कहानी है। स्कूल दिनों से शुरू हुआ उनका सा जिंदगी के हर उतार-चढ़ाव कायम रहा।

बॉलीवुड EXPRESS

काजोल की अनोखी कलाकारी ने खींचा मेट गाला के बीच सबका ध्यान

दुनियाभर में इन दिनों फैशन के सबसे बड़े मंच 'मेट गाला' की चर्चा जोरों पर है। रेड कार्पेट पर अंतरराष्ट्रीय सितारे अपने खास फैशन और स्टाइल से लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने भी अपनी एक अनोखी कलाकारी के जरिए सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर ली हैं। हाल ही में काजोल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास तस्वीर साझा की, जिसमें धागों से तैयार की गई एक खूबसूरत कलाकृति नजर आई। यह आर्टवर्क बेहद अलग और आकर्षक दिखाई दिया। अभिनेत्री ने इस पोस्ट के जरिए कारीगरों की मेहनत और हुनर की जमकर तारीफ की। तस्वीर साझा करते हुए काजोल ने लिखा कि मेट गाला का सीजन चल रहा है, इसलिए उन्होंने भी अपनी हाथ से बनाई गई एक कलाकृति साझा की है। उन्होंने कहा कि आखिर यह सब कारीगरों की कला और मेहनत के बारे में ही तो है। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट में करीबी दोस्त और फिल्म निर्माता करण जौहर तथा मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा को भी टैग किया। काजोल की यह पोस्ट करण जौहर और मनीष मल्होत्रा की हालिया मेट गाला उपस्थिति से जुड़ी मानी जा रही है। इस वर्ष करण जौहर ने पहली बार मेट गाला में हिस्सा लिया और अपने शानदार अंदाज से लोगों का ध्यान खींचा। इस खास अवसर पर उन्होंने मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन किया गया विशेष परिधान पहना था, जो महान चित्रकार राजा रवि वर्मा की कला से प्रेरित बताया गया। करण जौहर के इस खास लुक को 'फ्रेम्ड इन इटरनिटी' नाम दिया गया था।

आशका गोराडिया दूसरी बार बनीं मां

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री आशका गोराडिया दूसरी बार मां बन गई हैं। उन्होंने अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है और उसकी पहली तस्वीर के साथ नाम भी सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ साझा किया है। लंबे समय से छोटे पर्दे से दूर रहने वाली आशका फिलहाल अपने बिजनेस और परिवार पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, लेकिन अभिनय के दिनों में उन्होंने कई लोकप्रिय सीरियल्स में काम कर दर्शकों के बीच एक खास पहचान बनाई थी। आशका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नन्हे मेहमान की एक प्यारी सी तस्वीर पोस्ट करते हुए बताया कि उनके बेटे का जन्म 1 मई 2026 को हुआ था। हालांकि, उन्होंने यह खुशखबरी 8 मई को फैंस के साथ साझा की। उन्होंने भावुक कैप्शन में लिखा कि इस बच्चे के आगमन से उनका जीवन एक बार फिर ईश्वर की योजना पर विश्वास से भर गया है, और वे इस अनमोल आशीर्वाद के लिए अत्यंत आभारी हैं। इस प्यारे बच्चे का नाम रिचर्ड थियोडोर गोबल रखा गया है। दिसंबर 2017 में आशका ने अपने विदेशी साथी ब्रेंट गोबल से शादी की थी। दोनों ने अलग-अलग रीति-रिवाजों से विवाह किया था क्योंकि ब्रेंट ईसाई धर्म से संबंध रखते हैं। इस जोड़े का पहले से ही एक बेटा है, जिसका जन्म वर्ष 2023 में हुआ था।

खेल समीक्षा EXPRESS

फ्रेंच ओपन से पहले इनामी राशि सहित कई मामलों को लेकर घमासान

नोवाक जोकोविच, यानिक सिनर, आर्यना सबालेंका और कोको गॉफ सहित कई स्टार खिलाड़ियों ने फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट से पहले इनामी राशि के अलावा कई अहम मुद्दों को लेकर चिन्ता जताई है। फ्रेंच ओपन इसी माह 24 मई से पेरिस में खेला जाएगा। ऐसे में टूर्नामेंट से पहले शीर्ष खिलाड़ियों की नाराजगी से आयोजकों की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विरोध कर रहे खिलाड़ियों का कहना है कि पुरस्कार राशि ही नहीं बेहतर प्रतिनिधित्व के आलावा खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और पेंशन जैसे मामलों पर भी ध्यान दिया जाना चाहिये। इन खिलाड़ियों के अनुसार ग्रैंड स्लैम जैसे बड़े आयोजनों में खिलाड़ियों की मेहनत और योगदान को जितनी मान्यता मिलने चाहिये वह नहीं मिल रही है। फ्रेंच ओपन के आयोजकों ने हालांकि कुछ समय पहले इनामी राशि 10 फीसदी बढ़ा दी थी पर खिलाड़ी इससे संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि यह वृद्धि आयोजकों को टूर्नामेंट से हो रही रही बढ़ती कमाई के मुकाबले काफी कम है। इन स्टार खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान जारी कर आरोप लगाया है कि टूर्नामेंट के कुल राजस्व में खिलाड़ियों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है। उनके आंकड़ों के अनुसार, जहां 2024 में यह हिस्सा 15.5फीसदी थी वही अब घटकर 14.9 फीसदी रह गयी है। साथ ही कहा कि 2025 में फ्रेंच ओपन का कुल राजस्व 395 मिलियन यूरो तक पहुंच गया था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 14 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि थी। इसके विपरीत, इनामी राशि में केवल 5.4 फीसदी की मामूली वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप खिलाड़ियों की हिस्सेदारी और कम होकर मात्र 14.3 फीसदी रह गई।

चिरंजीवी की मौजूदगी ने बढ़ाया 'पेड्डी' का क्रेज

ग्लोबल स्टार राम चरण की अने वाली फिल्म 'पेड्डी' को लेकर उनके फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हाल ही में फिल्म के सेट से सामने आए नए अपडेट ने इस उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। शूटिंग के दौरान सेट पर दिग्गज निर्देशक सुकुमार और मेगास्टार चिरंजीवी की मौजूदगी ने माहौल को और भव्य बना दिया, जिसने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरी। बताया जा रहा है कि सुकुमार इस फिल्म के पीछे एक अहम क्रिएटिव सपोर्ट के रूप में काम कर रहे हैं। वे कहानी, विजन, शूटिंग और एडिटिंग से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों में टीम को मार्गदर्शन दे रहे हैं। उनकी भूमिका फिल्म को एक बड़े सिनेमाई अनुभव में बदलने वाली मानी जा रही है, जिससे प्रोजेक्ट की गुणवत्ता और स्तर दोनों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। 'पेड्डी' के निर्देशक बुची बाबू सना कभी सुकुमार के असिस्टेंट रह चुके हैं, और अब वे अपने ही मेंटर के साथ इतने बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं, जिससे फिल्म को लेकर इंडस्ट्री में उम्मीदें और बढ़ गई हैं। सेट पर चिरंजीवी की मौजूदगी ने फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। मेकर्स द्वारा शेयर किए गए बिहाइंड द सीन वीडियो में दोनों दिग्गजों की मुलाकात सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है।

कुब्रा सैत ने स्वर्ण मंदिर में पाया सुकून

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने हाल ही में अमृतसर स्थित पवित्र स्थल श्री हरमंदिर साहिब (स्वर्ण मंदिर) में माथा टेककर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। शूटिंग की व्यस्तता के बीच उनकी यह यात्रा मानसिक सुकून का एक खास पल बन गई। इस दौरान कुब्रा सादगी भरे पारंपरिक लुक में नजर आईं और सिर ढककर उन्होंने मत्था टेका, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गईं। कुब्रा सैत ने अपनी इस यात्रा की तस्वीर साझा करते हुए एक भावुक कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि वह समर्पण करने आई थीं लेकिन उन्हें जीवन की सबसे बड़ी नेमत यानी शांति और सुकून मिल गया। उनके इस संदेश में आस्था और आत्मिक अनुभव की गहराई साफ झलकती है, जिसने उनके प्रशंसकों को भी भावुक कर दिया। फैंस ने उनकी इस पोस्ट पर उमड़कर प्रतिक्रिया दी। कई लोगों ने इसे आध्यात्मिक और सुकून भरा अनुभव बताया, जबकि कुछ ने इसे दिल को छू लेने वाला पल कहा। सोशल मीडिया पर उनकी यह तस्वीर तेजी से वायरल हो गई और लोगों ने उनके सादगी भरे अंदाज की सराहना की। अभिनय की दुनिया में अपने दमदार और बेबाक किरदारों के लिए पहचानी जाने वाली कुब्रा सैत इस बार पूरी तरह अलग अंदाज में नजर आईं।

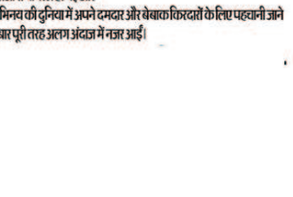

निशिकोरी टेनिस को कहेंगे अलविदा

जापान के दिग्गज पुरुष टेनिस खिलाड़ी केई निशिकोरी इस सत्र के अंत में खेल को अलविदा कह देंगे। रियो ओलंपिक में रजत पदक विजेता रहे निशिकोरी किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले पहले एशियाई पुरुष खिलाड़ी हैं। 36 साल के हो रहे निशिकोरी ने अपने संन्यास की योजना सोशल मीडिया में साझा की है। निशिकोरी ने कहा, मैंने इस सत्र के अंत में पेशेवर टेनिस से संन्यास लेना तय किया है। साथ ही कहा कि टेनिस उनका बचपन का जुनून रहा है। उन्होंने एटीपी टूर तक पहुंचने, शीर्ष स्तर के मुकाबले खेलने और शीर्ष 10 में जगह बनाने की अपनी उपलब्धि पर खुशी जताई है। साथ ही कहा कि इस दौरान उन्हें प्रशंसकों का भी भरपूर प्यार मिला। अपने करियर के बारे में बात करते हुए, निशिकोरी ने स्वीकार किया कि बार-बार लगने वाली चोटों ने उन्हें बहुत परेशान किया। ऐसे भी समय थे जब बार-बार चोट लगने की वजह से वह तनाव के कारण अवसाद ग्रस्त भी हुए हैं। जिससे मैं जैसा चाहता था वैसा नहीं खेल पाता था, उन्होंने कहा। इसके बावजूद, टेनिस के प्रति उनके प्रेम और एक मजबूत खिलाड़ी बनने के विश्वास ने उन्हें हमेशा कोर्ट पर वापस लौटने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इन सभी अनुभवों ने मेरी जिंदगी को बेहतर बनाया है और उसे आकार दिया है। मैं अपने परिवार और उन सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने हर समय मेरा साथ दिया। निशिकोरी ने स्वीकार किया कि वह अब भी अपना खेल करियर जारी रखना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने गर्व के साथ कहा कि उन्होंने अपना सब कुछ दिया। उन्होंने अपनी यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मैं सच में इस रास्ते पर चलकर खुश हूं। निशिकोरी ने पांच साल की उम्र से खेलना शुरू किया था। वह 13 साल की उम्र में वे अमेरिका चले गए, जहां उनका खेल बेहतर हुआ। उन्होंने फरवरी 2008 में उन्होंने डेलरे बीच ओपन में अपना पहला खिताब जीता। वहीं शीर्ष 10 में पहुंचने वाले पहले जापानी टेनिस खिलाड़ी रहे। उन्होंने साल 2014 अमेरिकी ओपन में सर्बिया के शीर्ष खिलाड़ी रहे नोवाक जोकोविच को हराया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संकल्पना के अनुसार विश्वस्तरीय आलौकिक सिंहस्थ की चल रही तैयारियां

करोड़ों श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्नान कराने के लिए नए घाटों का निर्माण जारी

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्पना के अनुसार विश्वस्तरीय आलौकिक सिंहस्थ महापर्व आयोजन की तैयारियां तेज हो गई है। प्रशासन के अधिकारी सिंहस्थ 2028 के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जुट गए है। प्रशासन की शिप्रा नदी की परिक्रमा कर नए व पुराने घाट के प्रस्तावित पहुंच मार्गो के लिए व्यवस्थाएं देखकर स्थान चिन्हित किए जा रहे है। मंशा यही है कि आलौकिक सिंहस्थ महापर्व में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा बनी रहे।

रविवार को सुबह 6 बजे से संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के साथ विभिन्न विभागों के अधिकारियों के दल ने नियमित निरीक्षण के तहत वाकरणकर ब्रिज के समीप से शिप्रा तट घाट क्षेत्र से विक्रांत भैरव मंदिर तक करीब 7 किलोमीटर क्षेत्र के शिप्रा घाटों का पैदल भ्रमण करते हुए निर्माणाधीन और पुराने घाटों तक श्रद्धालुओं को सुरक्षित सुविधाजनक प्रस्तावित मार्गो के लिए स्थान चिन्हित किए। निरीक्षण के दौरान यूडीए के सीईओ संदीप सोनी, उद्योग विभाग के कार्यकारी निदेशक राजेश राठौर सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। संभागायुक्त सिंह वाकरणकर ब्रिज के समीप से शिप्रा नदी के किनारे पैदल भ्रमण करते हुए घाट तक पहुंचने के प्रस्तावित मार्ग देखें। संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि वेधशाला के सामने, गऊघाट के सामने, गऊघाट पाले के पास, भूखीमाता मंदिर, गुरूनानक घाट, सोमकुंड, श्मशान घाट के सामने, मां कामाख्या मंदिर के समीप, गोंसा मार्ग के सामने, ऋणमुक्तेश्वर, भर्तृहरी गुफा के सामने, विक्रांत भैरव मंदिर तक निर्माणाधीन ओर पूर्व से निर्मित घाटों के सामने से श्रद्धालुओं को लाने के लिए प्रस्तावित पहुंच मार्ग चिन्हित किए है। घाटों तक पहुंचाने के लिए घाट क्षेत्र में अधिकतम 200 मीटर की दूरी प्रस्तावित मार्ग के बीच रखी गई है। जिससे श्रद्धालुओं को अधिक पैदल नही चलना पड़े। शनिवार और रविवार को किए गए निरीक्षण के दौरान करीब 14 किलोमीटर क्षेत्र में 47 प्रस्तावित घाट पहुंच मार्ग चिन्हित किए है। इन पॉइंटों से श्रद्धालुओं को घाट तक पहुंचाने के लिए एप्रोच रोड़ का निर्माण किया जा सके।

निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि निर्माणाधीन नवीन घाटों की रिटर्निंग वॉल एरिया में पौधा रोपण भी किया जाए। जिससे घाट के ऊपर हरियाली का वातावरण रहे। संभागायुक्त सिंह ने पुराने घाटों पर पानी का लेबल की स्थिति भी तय करने के निर्देश दिए है, जिससे श्रद्धालुओं को निश्चित स्थान तक स्नान कराया जा सके। संभागायुक्त सिंह ने सोमकुंड से गोंसा की ओर बने घाट के बीच दूरी अधिक होने पर 200 मीटर एरिया में एक नए प्रवेश और निर्गम मार्ग को चिन्हित करने के निर्देश दिए है। संभागायुक्त सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए शिप्रा तट के 29 किलोमीटर क्षेत्र में नवीन घाटों का निर्माण कराया जा रहा है। अधिक संख्या में घाट निर्माण होने से करोड़ों श्रद्धालुओं को शिप्रा नदी में स्नान कराने में सुविधा रहेगी।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर विभिन्न विभागों के माध्यम से तेजी से विकास कार्यो को पूर्ण किया जा रहा है। विश्वभर से आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुविधा और सुरक्षा के साथ शिप्रा घाट पर स्नान कराना हमारी प्राथमिकता है। प्रशासन की टीम घाट के पहुंच मार्ग और श्रद्धालुओं के वापसी मार्गों को चिन्हित कर एप्रोच रोड़ के साथ ही अन्य सुविधाओं से जोड़ने के लिए अभी से लेआउट तैयार कर रहे है, जिससे क्षेत्र में जो तैयारी की जाना है उसकी जानकारी सभी विभागों के सामने रहे।

न्यूज ब्रीफ

रजत मुकुट, मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और पुष्प अर्पित कर बाबा महाकाल का दिव्य श्रृंगार

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे-पुजारियों ने गर्भगृह में

स्थापित सभी देव प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक किया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। भगवान महाकाल का त्रिशूल, त्रिपुंड और डमरू के साथ भांग अर्पित कर श्रृंगार किया गया। हरिओम जल अर्पित कर कपूर आरती के बाद भगवान का श्रृंगार पूर्ण होने पर ज्योतिर्लिंग को वस्त्र से ढंककर भस्म रमाई गई। भस्म अर्पित करने के बाद शेषनाग का रजत मुकुट, रजत मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ सुगंधित पुष्पों की मालाएं अर्पित की गईं। भगवान महाकाल ने मोगरे और गुलाब के सुगंधित पुष्प धारण किए।

बालक-बालिकाओं को खान-पान के बारेमें जागरूक किया

उज्जैन। क्षीरसागर उज्जैन स्थित मलखंब एरिना के खिलाड़ी बालक-बालिकाओं को सही, स्वच्छ, सुरक्षित एवं फोर्टिफाईड खान-पान के बारे में जागरूक किया गया तथा बच्चों में फास्ट फूड, जंक फूड के प्रति बढ़ रही प्रवृत्ति को कम करने एवं इसके स्वास्थ्य पर होने वाले विपरित प्रभाव के बारे में भी जानकारी देकर जागरूक किया। विभाग द्वारा चलित खाद्य प्रयोगशाला के माध्यम से मलखम्ब के खिलाड़ी बालक-बालिकाओं को खाद्य पदार्थों में होने वाली सम्भावित मिलावट एवं मिलावट के घरेलू आसान परीक्षण के बारे में भी जागरूक किया गया।

उज्जैन के क्लीनिक में छात्रा की मौत पर बवाल

शव रखकर दिया धरना, क्लीनिक सील करने के बाद भी अस्पताल के सामने चक्काजाम

उज्जैन। उज्जैन में एक निजी क्लीनिक में अपेंडिक्स के इलाज के दौरान 11 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। इस घटना के बाद परिजनों ने पहले क्लीनिक के बाहर शव रखकर धरना दिया। प्रशासन की कार्रवाई के बावजूद गुस्सा शांत नहीं हुआ और बाद में चरक अस्पताल के सामने चक्काजाम कर दिया गया।

यह घटना उज्जैन की मंछामन कॉलोनी स्थित जनसेवा नोबल पाली क्लीनिक में हुई। महिदपुर तहसील के ग्राम तीलियां खेड़ी निवासी मेहरबान सिंह की 11 वर्षीय बेटी दिव्या सूर्यवंशी का यहां इलाज चल रहा था। दिव्या कक्षा 7वीं की छात्रा थी। उनके पिता उज्जैन में प्रॉपर्टी ब्रोकर अजय सिंह के यहां चौकीदारी करते हैं।

शनिवार सुबह 11 बजे दिव्या को ऑपरेशन के लिए क्लीनिक में भर्ती कराया गया था। शाम 5 बजे परिजनों के अनुसार, उसे फ्रीगंज स्थित अपना हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बच्ची की मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने आरोप लगाया कि क्लीनिक बंद कर डॉक्टर और स्टाफ मौके से चले गए। इसके बाद परिजनों ने शव सड़क पर रखकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सूचना मिलने पर नीलगंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति शांत नहीं हुई। इसके बाद सीएसपी श्वेता गुप्ता और एसडीएम एल.एन. गर्ग भी घटनास्थल पर पहुंचे। बाद में सीएमएचओ अशोक पटेल को बुलाया गया, जिन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए क्लीनिक को सील कर दिया और मामले की जांच के निर्देश दिए।

आगर रोड पर चक्काजाम

हालांकि, इन कार्रवाइयों के बाद भी परिजनों का गुस्सा शांत नहीं हुआ। पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने के बाद उन्होंने चरक अस्पताल के सामने आगर रोड पर चक्काजाम कर दिया, जिससे यातायात बाधित हो गया।

मृतका के पिता मेहरबान सिंह ने आरोप लगाया कि बच्ची की हालत बेहद नाजुक होने के बावजूद अस्पताल स्टाफ ने समय पर सही जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी कहा कि इलाज की स्थिति स्पष्ट नहीं की गई और गंभीर हालत में भी उनकी बेटी को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भेजा जाता रहा। इस मामले में सीएमएचओ अशोक पटेल ने बताया कि बच्ची का अपेंडिक्स का ऑपरेशन हुआ था और इलाज चल रहा था। उन्होंने कहा कि अचानक तबीयत बिगड़ने पर हार्ट अटैक जैसी स्थिति की भी आशंका सामने आई है।

कलेक्टर सिंह ने अपंजीयकृत क्लिनिक एवं अस्पतालों पर सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए

क्लिनिक एवं अस्पतालों के निरीक्षण के लिए पांच जांच दलों का गठन

जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल जिला उज्जैन ने जानकारी दी कि म.प्र. उपचर्या तथा रुजोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम 1973 के अंतर्गत कोई भी क्लिनिक अथवा अस्पताल बिना पंजीयन के संचालित नहीं किया जा सकता है। जिले में अनाधिकृत रूप से अपंजीयकृत क्लिनिक एवं अस्पतालों का संचालन किया जाना पूर्णतः अवैधानिक है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा जिले के समस्त ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर एवं मेडिकल ऑफिसरों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सतत निरीक्षण कर अवैधानिक रूप से संचालित अपंजीयकृत क्लिनिक एवं अस्पतालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही वैध रूप से पंजीकृत क्लिनिक एवं अस्पतालों का भी निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वे नियमानुसार संचालित हो। उज्जैन शहर में संचालित क्लिनिक एवं अस्पतालों के निरीक्षण के लिए 5 जांच दलों का गठन किया गया है। उक्त जांच दल अपने निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर अस्पतालों एवं क्लिनिकों का निरीक्षण करेंगे तथा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे।

कांग्रेस का आंदोलन आज

जिलाबदर कार्रवाई के विरोध में कोठी का घेराव

उज्जैन। किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट के जिला बदर आदेश के विरोध में कांग्रेस ने चरणबद्ध आंदोलन शुरू कर दिया है। 8 मई को मौन प्रदर्शन के बाद आज रणनीति बैठक हुई, जिसके बाद अब 11 मई को एक बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

कांग्रेस ने 8 मई को कलेक्टर कार्यालय पर प्रस्तावित अनिश्चितकालीन धरने को सांकेतिक रूप दिया था। कार्यकर्ताओं ने लगभग आधे घंटे तक मौन प्रदर्शन कर विरोध दर्ज कराया। इंदौर के पूर्व विधायक अश्विनी जोशी के निधन की खबर के कारण प्रदर्शन को सीमित रखा गया था।

इस दौरान विधायक महेश परमार, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी और नेता प्रतिपक्ष डॉ. रवि राय सहित कई कांग्रेस नेता कलेक्टर कार्यालय पहुंचे थे। कांग्रेस ने प्रशासन को चेतावनी दी थी कि यदि फैसला वापस नहीं लिया गया, तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

रविवार को शहर कांग्रेस कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी और डॉ. रवि राय ने प्रशासन की कार्रवाई को एकतरफा और द्वेषपूर्ण बताया। बैठक में सर्वसम्मति से इस मुद्दे पर बड़ा जनआंदोलन करने का निर्णय लिया गया। संगठन महासचिव अजय राठौर ने बताया कि कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद थे और सभी ने आंदोलन को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। कांग्रेस ने घोषणा की है कि 11 मई को सुबह 11 बजे कार्यकर्ता स्विमिंग पूल पर एकत्रित होंगे। यहां से पैदल मार्च निकालते हुए कोठी पहुंचेंगे, जहां प्रशासन के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया जाएगा।

भीषण गर्मी के कारण बिजली पोल में लगी आग, फायर ब्रिगेड ने काबू पाया

उज्जैन। भीषण गर्मी के बीच सती गेट से खड़े हनुमान मार्ग पर दोपहर में एक बिजली के पोल में आग लग गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

शहर में पिछले एक सप्ताह से तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं जा रहा है, जिसके कारण गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। रविवार दोपहर इसी भीषण गर्मी के चलते सती गेट से खड़े हनुमान के बीच स्थित बिजली के पोल में अचानक आग लग गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और दमकल विभाग को सूचित किया। दमकल वाहन ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इन दिनों शहर में गर्मी के कारण आगजनी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। कुछ दिनों पहले प्रशासनिक संकुल क्षेत्र में बांस की झाड़ियों में भी आग लग गई थी। शहर में सिंहस्थ को लेकर चौड़ीकरण और निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहे हैं। कंठाल से छतरी चौक मार्ग पर भी निर्माण कार्य जारी है, और इसी मार्ग पर यह आगजनी की घटना हुई है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और आग पूरी तरह बुझा ली गई है।

ईई और विधायक आमने-सामने ?

यूडीए ईई ने कहा- 30 मीटर के हिसाब से लगा रहे पोल

उज्जैन। पिपलीनाका से गढ़ कालिका मंदिर होते हुए ओखलेश्वर श्मशान तक और पिपलीनाका से भैरवगढ़ जेल चौराहा तक के दोनों मार्ग की चौड़ाई को लेकर फिर विरोधाभास सामने आया है।

यूडीए दोनों मार्ग पर 30 मीटर यानी करीब 100 फीट के हिसाब से समतलीकरण व पोल लगाने का काम करवा रही है। कार्यपालन यंत्री कुलदीप रघुवंशी बताते हैं कि हमारे पास चौड़ाई कम करने का निर्देश नहीं है। जबकि विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा दावा करते हैं कि 24 मीटर चौड़ाई यानी करीब 80 फीट के हिसाब से चौड़ीकरण होना चाहिए। एजेंसी से गलती हो रही है, उसे दिखवाते है। सिंहस्थ में भीड़ प्रबंधन के लिए शासन ने पिपलीनाका-भैरवगढ़ क्षेत्र के दो मार्ग सिक्स लेन करने की प्लानिंग की थी। फरवरी-मार्च में यूडीए ने दोनों मार्गों को 30 मीटर यानी 100 फीट चौड़ाई के लिए मार्किंग करवाई थी। रहवासियों ने विरोध जताया था, क्योंकि वे 80 फीट चौड़ीकरण की मांग पर अड़े थे। तब क्षेत्रीय विधायक कालूहेड़ा भी इस मांग को जायज ठहराते हुए रहवासियों के समर्थन में आगे आए थे। जनता द्वारा भाजपा कार्यालय का घेराव करने के बाद मामले ने तूल पकड़ा और भोपाल तक इसकी सूचना गई।

विरोध के बीच शुरू हुआ था काम- चौड़ीकरण के लिए जिम्मेदारों ने भैरवगढ़ पुल से और गढ़कालिका मंदिर के पीछे से कालभैरव मंदिर पहुंच मार्ग पर समतलीकरण का काम शुरू करवाया था। यह कार्य 30 मीटर चौड़ाई के हिसाब से ही किया जा रहा है। निर्माण एजेंसी की रहवासी क्षेत्र में फिलहाल कोई गतिविधि नहीं है। इससे उम्मीद हैं कि चौड़ाई रिवाइज होकर आएगी, लेकिन निर्माण एजेंसी फिलहाल ऐसा कुछ भी होने से इनकार कर रही हैं। बहरहाल मार्ग की चौड़ाई को लेकर संशय बरकरार है।

दोनों मार्ग 24 मीटर होना है

पिपलीनाका वाले दोनों मार्ग 24 मीटर के हिसाब से चौड़े होना है। यदि 30 मीटर के हिसाब से पोल लगाए जा रहे हैं तो एजेंसी से गलती हो रही हैं, उसे दिखवाएंगे।

अनिल जैन कालूहेड़ा,
विधायक, उत्तर

चौड़ाई रिवाइज के निर्देश नहीं

हमें तो 30 मीटर के हिसाब से ही कार्य करने के निर्देश हैं। उसी आधार पर तेजी से काम कर रहे हैं। चौड़ाई रिवाइज व कम करने का हमें कोई नया आदेश नहीं है।

कुलदीप रघुवंशी,
कार्यपालन यंत्री यूडीए

एक्टर अर्जुन रामपाल ने किए महाकाल के दर्शन

फिल्म 'धुरंधर' से चर्चा में रहे अभिनेता; इशिता विश्वकर्मा भी रहीं मौजूद

उज्जैन। फिल्म अभिनेता अर्जुन रामपाल ने रविवार को श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल के दर्शन किए। वे सुबह करीब 4 बजे मंदिर पहुंचे और लगभग दो घंटे नंदी हॉल में बैठकर भस्मारती में शामिल हुए। इस दौरान वे शिव साधना में लीन दिखाई दिए। आरती के बाद अभिनेता ने चांदी द्वार पर माथा टेककर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। इसके बाद पंडितों द्वारा विधि-विधान से देहरी पूजन कराया गया।

मंदिर प्रशासन ने किया स्वागत

मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एस.एन. सोनी ने अर्जुन रामपाल का 'महाकाल' लिखे दुपट्टे से स्वागत किया। अर्जुन रामपाल ने मंदिर व्यवस्थाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां बहुत बेहतरीन व्यवस्थाएं हैं। उन्होंने सिंहस्थ की तैयारियों का भी जिक्र किया।

अर्जुन रामपाल ने फिल्म "धुरंधर- द रिवेंज" में पाकिस्तानी मेजर इकबाल का किरदार निभाया था। वह इससे पहले भी 15 मार्च 2025 को एक कार्यक्रम के सिलसिले में उज्जैन आ चुके हैं। तब उनका पूजन पुजारी यश पुजारी द्वारा कराया गया था। इस बार भी वे सफेद कुर्ते में नजर आए।

इशिता विश्वकर्मा ने भी किए दर्शन

गायिका इशिता विश्वकर्मा ने भी भस्म आरती में दर्शन किए। मंदिर प्रशासन ने उनका भी स्वागत किया। इशिता विश्वकर्मा ने अपने 24वें जन्मदिन पर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। इशिता ने कहा कि वे मध्यप्रदेश की बेटी हैं और जबलपुर की रहने वाली हैं। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि उनकी भगवान महाकाल में गहरी आस्था है। उन्होंने मंदिर परिसर में भजन भी प्रस्तुत किया- "मन मेरा मंदिर, शिव मेरी पूजा, शिव से बड़ा नहीं कोई दूजा।"

उपार्जन कार्य में लापरवाही बरतने पर समिति प्रबंधक को नोटिस जारी

अनुपस्थित रहने पर नोडल अधिकारी को निलंबित करने के निर्देश

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने रविवार को गेहूं उपार्जन केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम रामवासा में रजनी वेयरहाउस पहुंचकर वहां व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। बताया गया कि इस केंद्र पर 10,000 क्विंटल गेहूं की खरीदी शेष है। कलेक्टर श्री सिंह ने केंद्र पर श्रमिकों और तौल कांटों की पर्याप्त संख्या रखने के निर्देश दिए। बताया गया कि इस केंद्र पर औसतन 2400 क्विंटल गेहूं खरीदी प्रतिदिन की जा रही है। यहां पर रात्रि 8:00 बजे तक गेहूं की खरीदी की जा रही है। कलेक्टर ने केंद्र पर उपस्थित किसानों से भी बात की तथा उनसे वहां की व्यवस्था के बारे में पूछा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि संबंधित विभागों के अधिकारीगण समय-समय पर केंद्रों पर जाकर निरीक्षण करें। उपार्जन का कार्य तेज गति से पूर्ण किया जाए। बारदानों की कहीं भी कमी ना हो यह सुनिश्चित किया जाए। बारदानों की समय पर केंद्रों पर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके पश्चात कलेक्टर द्वारा प्रशस्ति वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया जो कि करोहन सोसाइटी द्वारा संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने यहां उपार्जन कार्य में लापरवाही बरतने पर उपार्जन केंद्र के समिति प्रबंधक को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

ममता सांगते ने शुरू किया निश्शुल्क मार्शल आर्ट प्रशिक्षण

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन की समाजसेविका ममता सांगते पिछले 30 वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। निर्भया कांड के बाद उन्होंने महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को अपना मिशन बना लिया। अब तक वे 1200 बच्चियों को निशुल्क मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण दे चुकी हैं, वहीं 300 महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए प्रशिक्षित कर चुकी हैं। ममता सांगते ने बताया कि निर्भया कांड ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया था। इसके बाद उन्होंने संकल्प लिया कि बेटियों और महिलाओं को आत्मरक्षा के लिए सक्षम बनाया जाए।

वर्तमान समय में युवतियों को अपनी सुरक्षा करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज में महिलाओं और बच्चियों के साथ होने वाली घटनाएं चिंता का विषय हैं, इसलिए आत्मरक्षा का प्रशिक्षण समय की आवश्यकता बन चुका है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ममता ने सामाजिक न्याय मंत्रालय के सहयोग से स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण भी शुरू किया। इसके माध्यम से सैकड़ों महिलाओं को रोजगार से जोड़कर अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर मिला। ममता सांगते के सेवा कार्य सिर्फ मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं हैं। वे देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के लिए राखी और राहत सामग्री भेजती हैं। इसके अलावा भूकंप, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं के दौरान भी अपनी टीम के साथ राहत कार्यों में जुटी रहती हैं। उत्तराखंड की बाढ़ हो या केरल में अतिवृष्टि से आई तबाही, हर संकट के समय ममता सांगते जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे रही हैं। वे कश्मीरी पंडितों की सहायता के लिए भी लगातार कार्य करती हैं। हर वर्ष सर्दियों में वे जम्मू पहुंचकर जरूरतमंद परिवारों को कपड़े, राशन, कंबल और अन्य सामग्री वितरित करती हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं संपादक सुनील वर्मा के लिए 1/4, परदेशीपुरा इन्दौर से प्रकाशित एवं दैनिक भास्कर प्रेस 4/54 प्रेस कॉम्प्लेस एबी रोड इंदौर मध्यप्रदेश इन्दौर से मुद्रित. प्रधान संपादक : सुनील वर्मा
कार्पोरेट कार्यालय : 301, अरु प्लाजा एमजी रोड इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com,

c m y k